मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 224
शनिवार, 28 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

तालिबान का 'ऑपरेशन बदला': अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की 19 चौकियों पर किया कब्जा, 55 सैनिक ढेर

अफगानिस्तान, 27 फरवरी। दक्षिण एशिया में दो पड़ोसी देशों, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव अब खुली जंग में तब्दील होता नजर आ रहा है। तालिबान के नेतृत्व वाली अफगान सरकार ने दावा किया है कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा किए गए हालिया हवाई हमलों का करारा जवाब देते हुए सीमा पर स्थित 19 पाकिस्तानी सैन्य चौकियों और एक मुख्यालय पर कब्जा कर लिया है। इस खूनी संघर्ष में 55 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने की खबर है।

अफगानिस्तान के वाइस स्पीकर हमदुल्लाह फितरत के अनुसार यह कार्रवाई 22 फरवरी को पाकिस्तानी सेना द्वारा अफगान सीमा के भीतर किए गए हमलों का बदला है जिसमें 19 अफगान नागरिकों की जान चली गई थी।

तालिबान ने इसे संप्रभुता का उल्लंघन बताते हुए जवाबी सैन्य अभियान शुरू किया है। तालिबान ने दावा किया है कि अफगान सेना (इस्लामिक अमीरात फोर्सेस) ने न केवल चौकियों पर कब्जा किया बल्कि भारी मात्रा में गोला-बारूद भी अपने हाथ में लिया है।

केजरीवाल शीशमहल में रहते हैं, विमानों में यात्रा करते हैं और ईमानदारी का ढोंग कर रहे : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए उनकी ईमानदारी के दावे को 'नाटक' करार दिया और कहा कि वह शीश महल में रहने और निजी विमानों में यात्रा करने के आदी हैं और फिर भी खुद को आम आदमी कहते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर आबकारी नीति में कुछ भी गलत नहीं था तो उसे वापस क्यों लिया गया। शहर की एक अदालत द्वारा आबकारी नीति मामले में आरोप मुक्त किए जाने के बाद, केजरीवाल ने दावा किया कि अदालत के फैसले से साबित होता है कि वह और आम आदमी पार्टी (आप) 'कट्टर ईमानदार' हैं। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी को खत्म करने और उनकी ईमानदारी और प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए "फर्जी" मामले के माध्यम से एक साजिश रची गई थी।

बिहार के औरंगाबाद में एसयूवी की ट्रक से टक्कर में तीन लोगों की मौत, सात घायल

औरंगाबाद, 27 फरवरी। बिहार के औरंगाबाद जिले में दोपहर एक दिल दहला देने वाली सड़क दुर्घटना हुई। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 (NH-19) पर एक एसयूवी (रवश) और ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की भीषण भिड़ंत में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

हादसा दोपहर में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर देव मोड़ के निकट हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एसयूवी में कुल 10 लोग सवार थे। उन्होंने बताया कि वे उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होकर झारखंड के धनबाद लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि मृतकों में से दो की पहचान तेज नारायण गुप्ता और विकास कुमार चौहान के रूप में हुई है, जबकि तीसरे व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो सकी है। औरंगाबाद मुफस्सिल के थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया, शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि घायलों का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है।

पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद सड़क पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हुआ था, जिसे अब सामान्य कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रक चालक की तलाश जारी है। अशोक कुमार, थाना प्रभारी, औरंगाबाद मुफस्सिल शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है और घायलों का सदर अस्पताल में बेहतरीन इलाज सुनिश्चित किया जा रहा है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने लगाई रोक

इलाहाबाद, 27 फरवरी। एक अहम घटनाक्रम में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शुक्रवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर रोक लगाकर उन्हें बड़ी राहत दी। कोर्ट के आदेश में मामले में अगली सुनवाई तक जबरदस्ती कार्रवाई से अंतरिम सुरक्षा दी गई है। राहत की मांग वाली याचिका चल रही कानूनी कार्रवाई के बीच दायर की गई थी, और बेंच ने अधिकारियों को शंकराचार्य के खिलाफ तुरंत कोई कार्रवाई न करने का निर्देश दिया। इलाहाबाद हाई कोर्ट में शुक्रवार को दोपहर करीब 3.45 बजे संत की एंटीसिपेटरी बेल अर्जी पर सुनवाई हो सकती है। उनके शिष्य संजय पांडे ने कहा कि अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने रोजाना के धार्मिक काम जारी रखे और हमेशा की तरह अपनी रोज की पूजा-पाठ की। मठ में बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी मौजूद थे। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि उनके वकील कोर्ट में मौजूद थे और कोर्ट के सामने सारे सबूत पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि झूठ ज्यादा दिन नहीं चलता। जिन्होंने झूठी कहानी बनाई है, वे बेनकाब हो रहे हैं। जैसे-जैसे लोगों को इस मनगढ़ंत मामले के बारे में पता चलेगा, सच्चाई सामने आ जाएगी।

मेडिकल जांच रिपोर्ट से जुड़े दावों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि एक मेडिकल रिपोर्ट हमारी संलिप्तता कैसे साबित कर सकती है? कहा जा रहा है कि रिपोर्ट में गलत काम साबित हुआ है। यह किसी का बयान हो सकता है, लेकिन इतने दिनों बाद की गई मेडिकल रिपोर्ट का क्या मतलब है? उन्होंने कहा कि अगर कोई गलत काम हुआ भी होता, तो इससे अपने आप यह साबित नहीं होता कि कौन ज़िम्मेदार था। उन्होंने कहा, ₹जो बच्चा कभी हमारे पास नहीं आया, उसे आसानी से हमारे नाम से नहीं जोड़ा जा सकता।

जलवायु परिवर्तन की मार अब महिलाओं के स्वास्थ्य पर, वाराणसी में होगा राष्ट्रीय मंथन

सुरेश गांधी

वाराणसी। महिलाओं के स्वास्थ्य पर बढ़ते पर्यावरणीय बदलाव और जलवायु संकट के प्रभाव को लेकर वाराणसी में राष्ट्रीय स्तर का संवाद आयोजित किया जा रहा है। मेडवेज हेल्थ फाउंडेशन द्वारा 28 फरवरी को सुबह 9:30 बजे से होटल ताज गंगेज में ह्यशी-शील्ड कॉन्क्लेव 2026ह्ल का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य और विषय-वस्तु की विस्तृत जानकारी दी गई।

आयोजकों ने बताया कि यह कॉन्क्लेव महिलाओं के स्वास्थ्य और पर्यावरणीय चुनौतियों के संबंध पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मंच होगा। कार्यक्रम का मुख्य विषय ह्लपर्यावरणीय चुनौतियों के बीच महिलाओं के स्वास्थ्य का भविष्यह्ल रखा गया है, जिसमें स्वास्थ्य, सार्वजनिक नीति, सामाजिक विकास और उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे।

प्रेस वार्ता में बताया गया कि वायु प्रदूषण, दूषित जल, बदलती जीवनशैली और पोषण असंतुलन का सीधा असर महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। आयरन की कमी (एनीमिया), सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर तथा हार्मोनल असंतुलन जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में इलाज के साथ-साथ रोकथाम (प्रिवेंटिव हेल्थ) पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।कार्यक्रम में पद्मश्री सम्मानित लोकगायिका मालिनी अवस्थी, तथा पद्मश्री सम्मानित कथक नृत्यांगना युगल नालिनी कामालिनी सहित कई राष्ट्रीय स्तर की हस्तियां शामिल होंगी। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य मानकों के संदर्भ में वर्ल्ड हेल्थ आगेर्नाइजेशन से जुड़े शोध अनुभवों तथा अकादमिक दृष्टिकोण से सेंट्रल युनिवर्सिटी आफ झारखंड के विशेषज्ञों की भागीदारी रहेगी। सामाजिक-आर्थिक आयामों पर स्वास्थ्य जागरूकता मॉडल के संदर्भ में उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक तथा कॉर्पोरेट सहभागिता के अंतर्गत एलजी इलेक्ट्रानिक से जुड़े प्रतिनिधि भी अपने विचार रखेंगे।

आयोजकों ने बताया कि कॉन्क्लेव में तीन तकनीकी सत्र आयोजित होंगे, महिलाओं का समग्र स्वास्थ्य और पोषण, पर्यावरण और रोगों का संबंध, सामाजिक-आर्थिक प्रभाव और समाधान. प्रेस वार्ता में वक्ताओं ने कहा कि यदि परिवार की महिला स्वस्थ होती है तो पूरा परिवार और समाज सशक्त बनता है। इसलिए महिलाओं के स्वास्थ्य को केवल चिकित्सा तक सीमित न रखकर पर्यावरण, पोषण और सामाजिक जागरूकता से जोड़ना आवश्यक है। मेडवेज हेल्थ फाउंडेशन ने मीडिया, चिकित्सकों और सामाजिक संगठनों से इस महत्वपूर्ण पहल में सहभागिता का आह्वान किया, ताकि महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को जमीनी स्तर तक पहुंचाया जा सके और रोकथाम आधारित स्वास्थ्य मॉडल को मजबूत बनाया जा सके।आयोजकों ने कहा कि आज स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े अस्पताल और आधुनिक तकनीक तेजी से बढ़ रही है, लेकिन बीमारियों की रोकथाम पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। महिलाओं में आयरन की कमी, सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, हार्मोनल असंतुलन और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जिन्हें शुरूआती स्तर पर नियंत्रित करना समय की मांग है।प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि यदि परिवार की महिला स्वस्थ रहती है तो पूरा परिवार और समाज मजबूत होता है। इसी सोच के साथ कॉन्क्लेव में स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक संरचना के आपसी संबंध को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया जाएगा।

कोलकाता में लगे भूकंप के झटके, लोग इमारतों से बाहर भागे

कोलकाता, 27 फरवरी। शुक्रवार को बांग्लादेश में आए 5.4 तीव्रता के भूकंप के बाद कोलकाता और पश्चिम बंगाल के आसपास के कई जिलों में तेज झटके महसूस किए गए। अचानक आए इन झटकों से लोगों में दहशत फैल गई और एहतियातन कई लोग दफ्तरों और इमारतों से बाहर निकल आए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भूकंप का केंद्र ढाका के अगरगांव स्थित इटऊसिस्मिक सेंटर के दक्षिण-पश्चिम में था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.4 दर्ज की गई। कई लोगों के मोबाइल फोन पर आए भूकंप अलर्ट में तीव्रता करीब 5 बताई गई और केंद्र शहर से लगभग 8 किलोमीटर दूर दशार्या गया।

कोलकाता के विभिन्न हिस्सों, खासकर ऑफिस कॉम्प्लेक्स और व्यावसायिक क्षेत्रों में मौजूद लोगों ने फर्नीचर के हिलने और इमारतों में कंपन महसूस होने की जानकारी दी। कई कमर्शियल हब में कर्मचारियों ने स्थिति की गंभीरता को लेकर अनिश्चितता के बीच तुरंत इमारतें खाली कर दीं और खुले स्थानों पर इकट्ठा हो गए।

फिलहाल किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है।

आंध्र प्रदेश में दर्दनाक हादसा, एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

नंदीयाल। आंध्र प्रदेश के नंदीयाल जिले के धोणे के पास शुक्रवार को एक क्रेन से हुई कार की टक्कर में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना आज दोपहर करीब 1:40 बजे हुई। पुलिस के अनुसार कार में एक ही परिवार के चार लोग सवार थे और यह बेंगलुरु से श्रीशैलम जा रही थी। एक अधिकारी ने बताया, आज धोणे के पास एक कार दुर्घटना में बेंगलुरु के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। आशंका है कि क्रेन गलत दिशा से आ रही थी और उसकी कार से सीधी टक्कर हुई।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered

- Std. XI & XII (Sci.)
- MHT-CET
- NEET
- Polytechnic & Engg
- JEE (Main & Advance)
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

राजस्थान के डिस्टर्ब्ड एरिया बिल पर राजनीति

-संजय सक्सेना

राजस्थान की राजनीति इन दिनों एक ऐसे प्रस्तावित कानून के इर्द-गिर्द घूम रही है, जिसने सत्ता, विपक्ष, समाज और प्रशासन सभी को आमने-सामने ला खड़ा किया है। राज्य सरकार द्वारा पेश किया गया डिस्टर्ब्ड एरिया बिल 2026 सिर्फ एक विधायी पहल नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे सामाजिक ताने-बाने, संपत्ति के अधिकार और राज्य की कानून-व्यवस्था से जोड़कर देखा जा रहा है। सरकार का दावा है कि यह कानून सांप्रदायिक तनाव, जबरन पलायन और जनसंख्या असंतुलन जैसी समस्याओं से निपटने के लिए जरूरी है, जबकि विरोधियों को इसमें भय, दुरुपयोग और राजनीतिक मंशा की आशंका दिख रही है। राज्य में पिछले कुछ वर्षों से ऐसे इलाकों की चर्चा होती रही है, जहां सामुदायिक तनाव के बाद एक वर्ग के लोगों को अपने घर, दुकान या जमीन औने-पौने दामों पर बेचकर इलाका छोड़ना पड़ा। सरकार का कहना है कि दबाव, धमकी या सामाजिक असुरक्षा के माहौल में होने वाले ऐसे सौदे न सिर्फ पीड़ित परिवारों को कमजोर करते हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र में असंतुलन पैदा कर देते हैं। प्रस्तावित कानून इसी प्रक्रिया पर लगाम कसने की बात करता है। इसके तहत राज्य सरकार को अधिकार होगा कि वह किसी भी इलाके को सीमित अवधि के लिए अशांत क्षेत्र घोषित कर सके और वहां संपत्ति के लेन-देन को सख्त नियमों से बांध सके।

सरकार की मंशा यह बताई जा रही है कि अशांत घोषित इलाके में कोई भी अचल संपत्ति बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के खरीदी या बेची नहीं जा सकेगी। यह अनुमति तभी मिलेगी जब यह साबित हो कि सौदा पूरी सहमति से, बाजार मूल्य पर और बिना किसी दबाव के हो रहा है। साथ ही किरायेदारों को बेदखली से सुरक्षा देने की भी बात कही गई है। सरकार का तर्क है कि इससे उन परिवारों को राहत मिलेगी, जो वर्षों से किसी इलाके में रहते आए हैं लेकिन अचानक बदले हालात के कारण खुद को असुरक्षित महसूस करने लगते हैं। बिल में जिस अवधारणा पर सबसे ज्यादा बहस हो रही है, वह है अनुचित जमावड़ा। कानून के मसौदे के अनुसार, यदि किसी क्षेत्र में किसी एक समुदाय का ऐसा संकेंद्रण होता है, जो दबाव, मजबूरी या गलत मंशा के कारण हुआ हो और जिससे सामाजिक सौहार्द या सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो, तो उस क्षेत्र को अशांत घोषित किया जा सकता है। सरकार का कहना है कि यह प्रावधान भविष्य की आशंकाओं को देखते हुए रखा गया है, ताकि हालात बिगड़ने से पहले ही हस्तक्षेप किया जा सके।

राजस्थान की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी सरकार इसे एक एहतियाती कदम बता रही है। उसका तर्क है कि कई इलाकों में जनसंख्या के असंतुलन ने सांप्रदायिक तनाव को जन्म दिया है और मौजूदा कानून ऐसे मामलों से निपटने में नाकाफी साबित हुए हैं। कानून मंत्री जोगाराम पटेल पहले ही यह कह चुके हैं कि कुछ क्षेत्रों में हिंसा और दंगे की घटनाओं के बाद पुराने बाशिंदों को मजबूरी में अपनी संपत्ति बेचनी पड़ी। सरकार का मानना है कि यदि इस प्रवृत्ति को नहीं रोका गया, तो हालात और बिगड़ सकते हैं। विपक्षी कांग्रेस इस बिल को सत्ता का दुरुपयोग बताकर विरोध कर रही है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का कहना है कि यह कानून डर का माहौल पैदा करेगा और प्रशासन को मनमानी का हथियार दे देगा। उनका आरोप है कि सरकार विकास और रोजगार जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ऐसे कानून ला रही है, जिनसे समाज में अविश्वास बढ़ेगा। विपक्ष का यह भी कहना है कि किसी इलाके को अशांत घोषित करने की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होगी और इसका इस्तेमाल राजनीतिक या सामुदायिक आधार पर किया जा सकता है।

राज्य सरकार इस आलोचना को खारिज करते हुए कहती है कि कानून में स्पष्ट समय-सीमा तय की गई है। किसी भी क्षेत्र को अधिकतम तीन साल या अधिसूचना में तय अवधि तक ही अशांत रखा जा सकेगा। इसके अलावा शिकायत मिलने पर एक विशेष जांच दल का गठन अनिवार्य होगा, जिसमें प्रशासन, पुलिस और स्थानीय निकाय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। सरकार का दावा है कि इससे एकतरफा फैसलों की गुंजाइश कम होगी।इस तरह के कानूनों का इतिहास देखा जाए तो यह प्रयोग नया नहीं है। देश में सबसे पहले 1983 में पंजाब में अशांत क्षेत्र से जुड़ा कानून बना था, जब वहां उग्रवाद अपने चरम पर था। इसके बाद 1991 से गुजरात में भी ऐसा कानून लागू किया गया, जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया। हाल के वर्षों में असम सरकार ने भी अलग-अलग समुदायों के बीच जमीन की खरीद-बिक्री को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए थे। हालांकि 2016 में केंद्र सरकार ने यह कहते हुए पंजाब को इस श्रेणी से बाहर कर दिया था कि वहां हालात सामान्य हो चुके हैं। उस समय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री किरण रिजिजू ने स्पष्ट किया था कि पंजाब अब अशांत क्षेत्र नहीं है और वहां सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम जैसी व्यवस्थाओं की जरूरत नहीं रही।

राजस्थान के संदर्भ में सरकार कुछ खास इलाकों का उदाहरण देती है, जहां वर्षों से रहने वाले परिवारों के पलायन की बातें सामने आई हैं। जयपुर से कुछ दूर पर स्थित कल्याणी मालपुरा और आसपास के इलाकों के किस्से अक्सर चर्चा में रहते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अचानक बदले सामाजिक समीकरणों के कारण डर का माहौल बना और कई परिवारों ने सुरक्षित भविष्य के लिए इलाका छोड़ना बेहतर समझा। सरकार इसी तरह की परिस्थितियों को रोकने के लिए कानून को जरूरी बता रहा है कि कानून के सख्त प्रावधान भी बहस का कारण हैं। यदि कोई व्यक्ति अशांत क्षेत्र में नियमों के खिलाफ संपत्ति का लेन-देन करता है, तो उसे तीन से पांच साल तक की जेल और भारी जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। सभी अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती रखने का प्रस्ताव है। सरकार का कहना है कि बिना कड़ी सजा के ऐसे मामलों में रोक लगाना मुश्किल है, जबकि आलोचकों को डर है कि इससे आम नागरिकों को परेशान किया जा सकता है।

कानून का एक संवेदनशील पहलू यह भी है कि इसके दायरे में पुराने सौदे भी आ सकते हैं। यदि किसी संपत्ति का हस्तांतरण अमान्य घोषित होता है, तो विक्रेता को खरीदार को तय समय के भीतर पूरी रकम लौटानी होगी। समर्थकों का कहना है कि यह प्रावधान उन लोगों को न्याय देगा, जो दबाव में आकर अपनी संपत्ति बेचने को मजबूर हुए। विरोधियों को आशंका है कि इससे वर्षों पुराने विवाद फिर से खुल सकते हैं। राजस्थान में यह बहस अब सिर्फ विधानसभा तक सीमित नहीं रही। वकील, सामाजिक कार्यकर्ता और प्रशासनिक विशेषज्ञ भी इसे अलग-अलग नजरिए से देख रहे हैं। कुछ का मानना है कि यदि समस्या गंभीर है और मौजूदा कानून नाकाम हो रहे हैं, तो सख्त कदम जरूरी हो सकते हैं। वहीं यह भी चेतावनी दी जा रही है कि किसी भी नए कानून का दुरुपयोग न हो, वरना उसका असर समाज में अविश्वास और टकराव के रूप में सामने आ सकता है। आने वाले दिनों में यह साफ होगा कि यह बिल कानून बनकर किस दिशा में जाता है और राजस्थान के सामाजिक परिदृश्य को किस तरह प्रभावित करता है।

बोतलबंद पानी का भारत : सार्वजनिक जल प्रशासन की गहरी विफलता

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में बोतलबंद पानी पर बढ़ती निर्भरता केवल उपभोक्ता व्यवहार में आए बदलाव की कहानी नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक जल प्रशासन में व्याप्त गहरी और बहुस्तरीय प्रणालीगत समस्याओं की ओर भी स्पष्ट संकेत करती है। कभी जो नल का पानी नागरिकों के लिए बुनियादी अधिकार और राज्य की जिम्मेदारी माना जाता था, वही आज अविश्वास, असुरक्षा और असमानता का प्रतीक बनता जा रहा है। शहरों से लेकर कस्बों और यहां तक कि ग्रामीण इलाकों में भी लोग पीने के लिए प्लास्टिक की बोतलों पर निर्भर होते जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति न केवल आर्थिक बोझ बढ़ाती है, बल्कि पर्यावरण, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक शासन की अवधारणा पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

आधुनिक भारत में जल संकट को अक्सर वर्षा की कमी, जलवायु परिवर्तन या बढ़ती जनसंख्या से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि ये सभी कारक महत्वपूर्ण हैं, लेकिन बोतलबंद पानी की लोकप्रियता का मूल कारण इनसे कहीं अधिक गहरा है। असल समस्या यह है कि नागरिकों का भरोसा सार्वजनिक जल आपूर्ति प्रणालियों से लगातार टूटता जा रहा है। नलों से आने वाले पानी की गुणवत्ता पर संदेह, नियमित आपूर्ति का अभाव, और पारदर्शिता की कमी ने लोगों को वैकल्पिक स्रोतों की ओर धकेल दिया है। जब राज्य अपनी बुनियादी जिम्मेदारी निभाने में असफल होता है, तब बाजार उस खाली स्थान को भर देता है—अक्सर मुनाफे की शर्तों पर।

शहरी भारत में बोतलबंद पानी का उपयोग तेजी से बढ़ा है। महानगरों में तो यह लगभग जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। कार्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों और यहां तक कि सरकारी दफ्तरों में भी बड़े जार और बोतलें आम दृश्य हैं। यह स्थिति विडंबनापूर्ण है, क्योंकि इन्हीं शहरों में सबसे विकसित जल अवसंरचना होने का दावा किया जाता है। यदि इतनी सुविधाओं के बावजूद नागरिक सुरक्षित नल का पानी नहीं पी सकते, तो यह प्रशासनिक विफलता का सीधा प्रमाण है। पाइपलाइन की जर्जर हालत, सीवेज और पेयजल लाइनों का आपस में मिलना, तथा नियमित परीक्षण की कमी—ये सभी समस्याएं वर्षों से ज्ञात हैं, लेकिन समाधान आधे-अधूरे ही रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति अलग होते हुए भी उतनी ही चिंताजनक है। वहां बोतलबंद पानी का उपयोग अपेक्षाकृत कम है, लेकिन जैसे-जैसे ग्रामीण बाजारों तक निजी कंपनियों की पहुंच बढ़ रही है, यह निर्भरता वहां भी बढ़ने लगी है। कई इलाकों में भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक या आयरन की अधिकता के कारण लोग स्थानीय जल स्रोतों से डरने लगे हैं। राज्य द्वारा उपलब्ध कराए गए सामुदायिक नल या हैंडपंप अक्सर या तो खराब रहते हैं या फिर उनका पानी पीने योग्य नहीं होता। ऐसे में जिनके पास आर्थिक क्षमता है, वे बोतलबंद पानी खरीद लेते हैं, जबकि गरीब तबके दूषित पानी पीने को मजबूर रहते हैं। यह स्थिति जल के क्षेत्र में गहरी असमानता को जन्म देती है।

बोतलबंद पानी उद्योग का विस्तार अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। एक ओर यह उद्योग स्वच्छता और सुरक्षा का वादा करता है, वहीं दूसरी ओर इसके नियमन में गंभीर खामियां हैं। कई बार यह पाया गया है कि बाजार में उपलब्ध बोतलबंद पानी भी गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरता। इसके बावजूद उपभोक्ता इसे नल के पानी से अधिक सुरक्षित मानते हैं। यह धारणा स्वयं में सार्वजनिक जल संस्थानों की साख पर सवाल है। यदि राज्य द्वारा प्रमाणित और नियंत्रित जल आपूर्ति प्रणाली पर नागरिक भरोसा नहीं करते, तो यह लोकतांत्रिक शासन की विश्वसनीयता के लिए भी खतरे की घंटी है।

पर्यावरणीय दृष्टि से बोतलबंद पानी पर निर्भरता अत्यंत विनाशकारी है। प्लास्टिक की बोतलें कचरे के पहाड़ में बदल रही हैं। पुनर्चक्रण की दर बेहद कम है और अधिकांश प्लास्टिक अंततः नदियों, झीलों और समुद्रों में पहुंच जाता है। इसके अलावा, बोतलबंद पानी के उत्पादन में भी भारी मात्रा में जल और ऊर्जा की खपत होती है। यानी जिस संसाधन की कमी की बात की जा रही है, उसी का अत्यधिक दोहन करके एक कृत्रिम समाधान प्रस्तुत किया जा रहा है। यह विरोधाभास नीति निमार्ताओं की अल्पकालिक सोच को उजागर करता है।

सार्वजनिक जल प्रशासन की समस्याएँ केवल तकनीकी नहीं हैं; वे संस्थागत और राजनीतिक भी हैं। जल प्रबंधन से जुड़े विभाग अक्सर संसाधनों की कमी, कुशल मानवबल के अभाव और आपसी समन्वय की समस्या से जूझते हैं। इसके अलावा, जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सेवा को राजनीतिक प्राथमिकता भी अक्सर नहीं मिलती। चुनावी घोषणाओं में बड़े बांध, नदियों को जोड़ने की परियोजनाएं या स्मार्ट शहरों की बातें तो होती हैं, लेकिन रोजमर्रा की जल आपूर्ति को सुधारने पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाता है। परिणामस्वरूप, छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण समस्याएं वर्षों तक अनसुलझी रहती हैं।

निजीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति भी इस संकट को गहरा कर रही है। जब सार्वजनिक प्रणालियाँ कमजोर होती हैं, तो समाधान के रूप में निजी कंपनियों को आगे लाया जाता है। हालांकि कुछ मामलों में इससे दक्षता बढ़ी है, लेकिन अक्सर इसका लाभ केवल उन लोगों को मिलता है जो भुगतान कर सकते हैं। पानी जैसे आवश्यक संसाधन का बाजार आधारित वितरण सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। बोतलबंद पानी इस निजीकरण का सबसे स्पष्ट उदाहरण है, जहां स्वच्छ पानी एक मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि एक उपभोक्ता वस्तु बन जाता है।

इस पूरी स्थिति का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बोतलबंद पानी पर निर्भरता धीरे-धीरे सामान्य होती जा रही है। लोग इसे समस्या के लक्षण के बजाय समाधान के रूप में देखने लगे हैं। इससे सार्वजनिक दबाव कम होता है और प्रशासनिक सुधार की मांग कमजोर पड़ जाती है। जब नागरिक स्वयं वैकल्पिक व्यवस्था कर लेते हैं, तो राज्य पर जवाबदेही का दबाव घट जाता है। यह चुपचाप स्वीकार की गई असफलता भविष्य में और बड़े संकटों को जन्म दे सकती है।

आवश्यकता इस बात की है कि जल को फिर से सार्वजनिक भलाई के रूप में स्थापित किया जाए। इसके लिए सबसे पहले नल के पानी की गुणवत्ता और नियमितता सुनिश्चित करनी होगी। पारदर्शी जल परीक्षण, परिणामों की सार्वजनिक उपलब्धता और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था नागरिकों का भरोसा बहाल कर सकती है। साथ ही, जल अवसंरचना में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी—चाहे वह पाइपलाइन की मरम्मत हो, सीवेज प्रबंधन हो या जल शोधन संयंत्रों का आधुनिकीकरण।

इसके साथ-साथ जन जागरूकता भी महत्वपूर्ण है। लोगों को यह समझना होगा कि बोतलबंद पानी दीर्घकालिक समाधान नहीं है। पर्यावरणीय और सामाजिक लागतों के बारे में जानकारी बढ़ाकर उपभोक्ता व्यवहार को बदला जा सकता है। स्कूलों, सामुदायिक संगठनों और स्थानीय निकायों की भूमिका इसमें अहम हो सकती है।

अंततः, बोतलबंद पानी पर बढ़ती निर्भरता एक चेतावनी है। यह बताती है कि यदि सार्वजनिक जल प्रशासन को मजबूत नहीं किया गया, तो पानी जैसी बुनियादी आवश्यकता भी गहरी असमानता और संकट का कारण बन सकती है। यह समय है कि राज्य, समाज और नागरिक मिलकर इस प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करें और पानी को फिर से भरोसे, समानता और सार्वजनिक जिम्मेदारी के दायरे में वापस लाएं। केवल तभी भारत अपनी बढ़ती प्यास को न्यायपूर्ण और टिकाऊ तरीके से बुझा सकेगा।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की चर्चाः सत्य का आईना या संस्था की गरिमा पर प्रहार?

-प्रियंका सौरभ

न्यायपालिका भारत के लोकतंत्र का संरक्षक स्तंभ है, जो संविधान की रक्षा करता है और नागरिकों को न्याय का आश्वासन देता है। लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा आठवीं की सोशल साइंस किताब पर सख्त रुख अपनाते हुए छपाई, वितरण और वितरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। किताब के 'हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' अध्याय में 'न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार', लंबित मामलों की भारी संख्या, जजों की कमी और पूर्व सीजेआई बी.आर. गवई के बयानों का उल्लेख था। सीजेआई सूर्यकांत ने इसे न्यायपालिका को बदनाम करने की 'गहरी और सोची-समझी साजिश' करार दिया तथा शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। विवादित अध्याय के लेखकों की पहचान, उनकी योग्यता और सिलेबस फ्रेमिंग बैठकों की कार्यवाही प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है। यह घटना न केवल शिक्षा नीति पर सवाल उठाती है, बल्कि संस्थागत गरिमा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और भ्रष्टाचार पर खुली चर्चा के बीच संतुलन की बहस को जन्म देती है। क्या स्कूली पाठ्यक्रम में ऐसी चर्चा गलत है? या यह समाज को सतर्क करने का माध्यम है?

भारतीय संविधान अनुच्छेद 19(एक) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन अनुच्छेद 19(दो) में उचित प्रतिबंध भी हैं, जिनमें न्यायालय की अवमानना शामिल है। सुप्रीम कोर्ट का कदम अवमानना अधिनियम 1971 के दायरे में आता है, जहां न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री दंडनीय है। कोर्ट ने तर्क दिया कि अध्याय चुनिंदीय (सेलेक्टिव) था—न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार का उल्लेख तो प्रमुख था, लेकिन विधायिका या कार्यपालिका पर ऐसा कोई जिक्र नहीं। लंबित मामलों को 'मैसिव बैकलॉग' कहना और जजों की कमी को चुनौती के रूप में पेश करना संस्था को कमजोर दिखाता है। पूर्व सीजेआई गवई के बयान का संदर्भ बिना पूर्ण संदर्भ के लिया गया, जो भ्रामक था। कोर्ट ने इसे 'डीप-रूटेड कांस्पिरेसी' कहा, जो संकेत देता है कि यह केवल शैक्षणिक चूक नहीं, बल्कि सुनियोजित प्रयास हो सकता है। एनसीईआरटी द्वारा हाल में संशोधित पाठ्यक्रम में ऐसी सामग्री शामिल करना शिक्षा मंत्रालय की लापरवाही दशार्ता है। सिलेबस एक्सपर्ट कमिटी की बैठकों में पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठे हैं—क्या लेखक राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित थे? कोर्ट ने गहन जांच का भरोसा दिलाय है, जो स्वागतयोग्य है। भ्रष्टाचार पर चर्चा लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के अनुसार, भारत का करप्शन परसेप्शन इंडेक्स 2025 में 40/100 रहा, जो न्यायपालिका सहित संस्थाओं की चुनौतियों को रेखांकित करता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं ब्रह्मावर्त हॉस्टल मामले या मेडिकल एडमिशन घोटालों में भ्रष्टाचार पर तीखी टिप्पणियां की हैं। जस्टिस जे.एस. वर्मा ने कहा था कि 'ज्यूडिशियरी में भ्रष्टाचार का एक मामला भी पूरी संस्था को दागदार बनाता है।' लेकिन स्कूली किताब में इसे सामान्यीकृत कर पेश करना उचित नहीं। बच्चे 13-14 वर्ष के होते हैं—उन्हें तथ्यपरक ज्ञान दें, न कि पूर्वाग्रहपूर्ण दृष्टिकोण। अध्याय जवाबदेही, शक्तियों के पृथक्करण और सुधारों (जैसे फास्ट-ट्रैक कोर्ट, जजों की भर्ती) पर केंद्रित होता तो उपयोगी होता। वर्तमान रूप में यह नकारात्मकता बोता है, जो युवा पीढ़ी में न्यायपालिका के प्रति अविश्वास पैदा कर सकता है। हरियाणा जैसे राज्यों में, जहां पंचायती राज मजबूत है, स्थानीय न्याय व्यवस्था पहले से जूझ रही है—ऐसी सामग्री से ग्रामीण बच्चे हतोत्साहित होंगे।

एनसीईआरटी की भूमिका पर सवाल उठना स्वाभाविक है। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत पाठ्यक्रम सरलीकृत और भारतीयता-केंद्रित बनाने का लक्ष्य था, लेकिन यह विवाद उलटा असर डाल रहा है। मंत्रालय को सिलेबस फ्रेमिंग में बहुपक्षीय परामर्श अनिवार्य करना चाहिए—शिक्षाविद्, न्यायिक विशेषज्ञ, अभिभावक संगठन शामिल हों। लेखकों की योग्यता जांचे—क्या वे राजनीति विज्ञान के विशेषज्ञ हैं या सामान्य शिक्षक? कोर्ट ने डिजिटल कॉपियां भी जब्त करने को कहा, जो साइबर युग में चुनौतीपूर्ण है। लेकिन यह कदम आवश्यक था, क्योंकि गलत सूचना वायरल हो सकती थी। वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी जैसे वरिष्ठों ने कोर्ट में इसे चुनिंदीय बताया, जो बहस को मजबूत करता है। अब जांच से यदि साजिश सिद्ध हुई, तो जिम्मेदारों पर अवमानना का मुकदमा चलेगा।

यह मामला व्यापक सुधारों की मांग करता है। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार रोकने हेतु राष्ट्रीय न्यायिक आयोग (एनजेएसी) को मजबूत बनाएं, जो जजों की नियुक्ति पारदर्शी करे। ई-कोर्ट प्रोजेक्ट को तेज करें, ताकि लंबित मामले घटें—वर्तमान 5 करोड़ से अधिक हैं। जजों की संख्या बढ़ाने हेतु विधायी सहमति लें। शिक्षा में भ्रष्टाचार को नैतिकता के अध्याय में शामिल करें, न कि संस्था-विशेष पर प्रहार के रूप में। अभिव्यक्ति स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन संस्था की गरिमा सर्वोपरि। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप सही दिशा में है—यह चेतावनी है कि शिक्षा भ्रष्टाचार नहीं बोएगी।

एनसीईआरटी को पाठ्यक्रम पुनरीक्षण कर तथ्यपरक, संतुलित सामग्री सुनिश्चित करनी चाहिए। सरकारें पारदर्शिता बढ़ाएं—आरटीआई से सिलेबस प्रक्रिया खुली हो। जनता जागरूक बने, क्योंकि मजबूत न्यायपालिका ही मजबूत भारत है। यदि भ्रष्टाचार पर चर्चा सुधार लाए, तो स्वागतयोग्य; अन्यथा यह साजिश मात्र। सुप्रीम कोर्ट की जांच से सत्य सामने आएगा, और शिक्षा प्रणाली मजबूत बनेगी। लोकतंत्र में संतुलन ही सफलता की कुंजी है।

मध्य प्रदेशः अन्नदाता के खेत खलिहान में भरोसे और समृद्धि की फसल

(पवन वर्मा -विनायक फीचर्स)

किसानों को राष्ट्र का अन्नदाता और भाग्य विधाता कहा जाता है। इस अन्नदाता की उन्नति, आय दोगुनी करने को लेकर देश के हर राज्य की सरकार अपने-अपने दावे करती हैं और समय समय पर कई योजनाएं भी लाती रही है, लेकिन फिर भी देश के अधिकतर राज्यों में किसानों की दशा बहुत बेहतर नहीं कही जा सकती है। मध्य प्रदेश में अब किसानों की स्थिति संभालने और उन्हें प्रदेश के प्रगति पथ से जोड़ने के लिए वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष मनाने का निर्णय हुआ है। पहले तो यह लग रहा था कि यह घोषणा महज औपचारिक होगी, लेकिन एक माह के भीतर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की सरकार ने जो संकेत दिए है वह किसानों की कल्याण नीति की दिशा के स्पष्ट संदेश दिख रहे हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने लगभग 10 हजार 500 करोड़ रुपये की पाँच प्रमुख कृषि योजनाओं को वर्ष 2026 से 2031 तक जारी रखने की रूपरेखा तय की । यह रूपरेखा यह बताती है कि खेती को राज्य की विकास धारा के केंद्र में रखा गया है। यह वह समय है जब कृषि क्षेत्र को स्थिरता, स्पष्टता और निरंतर सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता है और राज्य ने उसी दिशा में कदम बढ़ाया है।

कृषि आज बहुस्तरीय दबावों से गुजर रही है। उत्पादन लागत में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन का असर, वर्षा की अनिश्चितता और बाजार मूल्य में उतार-चढ़ाव। ये सभी कारक किसान की आय को प्रभावित करते हैं। ऐसे दौर में योजनाओं की पाँच वर्षीय निरंतरता से निश्चित ही किसानों को एक भरोसा मिलेगा कि नीतियाँ बीच राह में नहीं बदलेंगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव की प्राथमिकताओं में कृषि को दीर्घकालिक स्थिरता देना प्रमुख रूप से दिखाई देता है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 2008 करोड़ 683 लाख रुपये से अधिक की राशि कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में समग्र सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण है। इस योजना का उद्देश्य स्थानीय जरूरतों के अनुरूप परियोजनाएँ तैयार करना है। मध्यप्रदेश जैसे विशाल और विविध भूगोल वाले राज्य में क्षेत्रीय रणनीति आवश्यक है। कहीं सिंचाई विस्तार की जरूरत है, कहीं बीज गुणवत्ता सुधार की, तो कहीं प्रसंस्करण और भंडारण ढांचे की। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने क्षेत्र-विशेष आधारित विकास पर जोर दिया है, जिससे योजनाएँ अधिक प्रभावी बन सकें। जल प्रबंधन की दिशा में पर ड्रॉप मोर क्रॉप घटक के लिए 2393 करोड़ 97 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। निस्संदेह यह भविष्य की खेती को सुरक्षित करने की पहल है। पानी अब केवल संसाधन नहीं, बल्कि रणनीतिक पूंजी है। सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा देकर जल उपयोग दक्षता बढ़ाई जा सकती है। ड्रिप और स्प्रिंकलर पद्धति से कम पानी में अधिक उत्पादन संभव है। मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा जल संरक्षण को प्राथमिकता देना यह संकेत देता है कि खेती को मौसम की अनिश्चितता से बचाने के लिए दीर्घकालिक उपाय किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के लिए 3285 करोड़ 49 लाख रुपये का प्रावधान फसल विविधीकरण और पोषण सुरक्षा दोनों को सशक्त करेगा। दलहन, धान, गेहूँ, श्रीअन्न और व्यावसायिक फसलों के क्षेत्र और उत्पादकता में वृद्धि से किसान को आय के अधिक विकल्प मिलेंगे। श्रीअन्न जैसे पोषक अनाजों को बढ़ावा देना न केवल बाजार की मांग से जुड़ा है, बल्कि जनस्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की नीति में उत्पादन और पोषण का यह संतुलन स्पष्ट दिखाई देता है।

प्राकृतिक खेती की ओर 1011 करोड़ 59 लाख रुपये का निवेश कृषि को टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में ठोस कदम है। रसायनों पर निर्भरता कम करना, मिट्टी की सेहत सुधारना और जैव विविधता को बढ़ावा देना भविष्य की खेती का आधार है। प्राकृतिक खेती से लागत में कमी आ सकती है, जो छोटे किसानों के लिए राहतकारी होगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि खेती केवल उत्पादन नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन से भी जुड़ी है। तिलहन क्षेत्र में 1793 करोड़ 87 लाख रुपये से अधिक का प्रावधान आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत है। खाद्य तेल आयात पर निर्भरता कम करना राष्ट्रीय आवश्यकता है। मध्यप्रदेश पहले से सोयाबीन और सरसों उत्पादन में अग्रणी है। यदि तकनीक, बीज और बाजार सुविधा का समुचित समन्वय हो, तो यह क्षेत्र किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकता है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में तिलहन उत्पादन को भी रणनीतिक महत्व दिया जा रहा है।

सरसों उत्पादकों के लिए भावांतर योजना के अंतर्गत मूल्य अंतर की राशि सीधे बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। 23 मार्च से 30 मई 2026 तक अधिसूचित मंडियों में विक्रय और भारित औसत मूल्य के आधार पर भुगतान की व्यवस्था बाजार जोखिम को कम करती है। यह मॉडल किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम भाव मिलने की स्थिति में सुरक्षा प्रदान करता है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की इस पहल से किसानों का आत्मविश्वास भी मजबूत होगा। इस व्यवस्था से बाजार की अस्थिरता के बाद भी अन्नदाता की आय का संतुलन बना रहेगा। इन सभी पहलों का प्रभाव खेत की मेड़ और खलिहान से आगे तक जाएगा। कृषि निवेश बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन होगा, कृषि यंत्र और सिंचाई उपकरणों की मांग बढ़ेगी, प्रसंस्करण उद्योग को गति मिलेगी और स्थानीय बाजारों में क्रय शक्ति मजबूत होगी। जब किसान की आय बढ़ती है, तो उसका लाभ पूरे ग्रामीण तंत्र को मिलता है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की रणनीति कृषि को राज्य की अर्थव्यवस्था की आधारशिला के रूप में स्थापित करती है। महत्वपूर्ण यह है कि योजनाओं की समय-सीमा पाँच वर्षों के लिए निर्धारित की गई है। इससे नीति में स्थिरता का संदेश स्पष्ट है। किसान को यह विश्वास मिलता है कि वह दीर्घकालिक योजना बना सकता है, नई तकनीक अपना सकता है और उत्पादन बढ़ाने की दिशा में निवेश कर सकता है। किसान कल्याण वर्ष की यह रूपरेखा बताती है कि मध्यप्रदेश ने खेती को विकास की परिधि से उठाकर केंद्र में रख दिया है। उत्पादन, सिंचाई, पोषण, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, तिलहन प्रोत्साहन और मूल्य सुरक्षा, इन सभी आयामों को एक साथ आगे बढ़ाने की यह कोशिश संतुलित और व्यापक है। यदि जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ, तो मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश कृषि प्रबंधन और किसान सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण बन सकता है। खेती केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि राज्य की सामाजिक और आर्थिक धुरी है और जब नीति, संसाधन और नेतृत्व एक दिशा में चलते हैं, तो समृद्धि की फसल अवश्य तैयार होती है।

पेंटागन ने ईरान के खिलाफ बड़े ऑप्रेशन के खतरे की चेतावनी दी

पेंटागन ईरान के खिलाफ लंबे मिलिट्री कैंपेन को लेकर प्रैसिडैंट ट्रम्प के सामने चिंता जता रहा है। उसने सलाह दी है कि जिन वॉर प्लान पर विचार किया जा रहा है, उनमें अमरीका और सहयोगी देशों के नुकसान, कमजोर एयर डिफैंस और जरूरत से ज्यादा फोर्स होने जैसे रिस्क हैं। मौजूदा और पुराने अधिकारियों ने कहा कि ये चेतावनियां ज्यादातर ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने डिफैंस डिपार्टमैंट में और नैशनल सिक्योरिटी काऊंसिल की मीटिंग्स के दौरान दी हैं लेकिन पेंटागन के दूसरे लीडर्स ने भी ऐसी ही चिंताएं जताई हैं।

ईरान पर हमलों के लिए जिन ऑप्शन पर विचार किया जा रहा है, उनमें शुरूआती सीमित हमलों से लेकर सरकार को गिराने के मकसद से कई दिनों तक हवाई कैंपेन चलाना शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि सभी ऑप्शन में रिस्क होता है लेकिन खास तौर पर लंबे कैंपेन से अमरीकी सेना और हथियारों के स्टॉक पर काफी खर्च आ सकता है, अगर ईरान जवाबी कार्रवाई कर पाता है, तो इससे रीजनल पार्टनर्स की सुरक्षा मुश्किल हो सकती है। अगर अमरीका बड़ी मात्रा में एयर-डिफैंस हथियारों और दूसरी चीजों का इस्तेमाल करता है, जिनकी आपूर्ति कम है, तो इससे चीन के साथ भविष्य में होने वाले संभावित झगड़े की तैयारियों पर भी असर पड़ सकता है। अमरीका ने 2003 के ईराक युद्ध के बाद से मिडल ईस्ट में सबसे ज्यादा एयर पावर इकट्ठी की है, जिसमें एक एयरक्राफ्ट-कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी शामिल है। दूसरा कैरियर अब मेडिटेरेनियन में है। केन की चेतावनियों के बारे में मीडिया रिपोटर्स के बाद, ट्रम्प ने सोमवार को बाद में सोशल-मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट किया, ह्यह्यजनरल केन, हम सब की तरह, जंग नहीं देखना चाहेंगे लेकिन अगर ईरान के खिलाफ मिलिट्री लैवल पर जाने का फैसला होता है, तो उनकी राय है कि यह आसानी से जीता जा सकेगा। ट्रम्प प्रशासन अभी भी ईरान के साथ एक संभावित डील पर बातचीत कर रहा है, जिससे अमरीका को उम्मीद है कि तेहरान के न्यूक्लियर वैपन की तरफ जाने के रास्ते बंद हो जाएंगे, जिसे ईरानी नेताओं ने आगे बढ़ाने से मना कर दिया है, साथ ही उसके बैलिस्टिक-मिसाइल प्रोग्राम और हिजबुल्लाह और हमास जैसे रीजनल प्रॉक्सी मिलिशिया को उसके सपोर्ट पर रोक लगेगी। ईरान ने किसी भी अमरीकी हमले का जितना हो सके उतना कड़ा जवाब देने की धमकी दी है और सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने पिछले हफ्ते कहा था कि उनकी सेना एक अमरीकी युद्धपोत को डुबो सकती है। किसी भी मिलिट्री ऑप्रेशन में जोखिम होता है लेकिन ईरान के खिलाफ लगातार अभियान शायद ट्रम्प द्वारा शुरू किए गए सबसे जटिल और खतरनाक मिलिट्री ऑप्रेशनों में से एक होगा, जिसमें अमरीका को मिडल ईस्ट में एक बड़े युद्ध में खींचने की क्षमता है। अधिकारियों के मुताबिक, ईरान पर किसी भी हमले के दौरान, कई बार बमबारी करने पर अमरीकी पायलट ईरानी एयर डिफैंस के लिए असुरक्षित हो सकते हैं। ईरानी मिसाइलें मिडल ईस्ट में मौजूद अमरीकी सैनिकों के बेस को निशाना बना सकती हैं। ईरान अपनी मिसाइलों और ड्रोन से इसराईल में आबादी वाले सैंटर को भी निशाना बना सकता है, जैसा कि उसने पिछले जून में ईरान, इसराईल और अमरीका के बीच 12 दिन के युद्ध के दौरान किया था। कुछ अधिकारियों ने कहा कि अमरीका को उम्मीद है कि ईरान अपनी सरकार की रक्षा के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देगा और अमरीका के पास ईरानी मिसाइल हमलों का मुकाबला करने के लिए सिर्फ 2 हफ्ते के लिए ही इंटरसैप्टर हैं, जिससे अमरीकी हथियारों के जखीरे में पैट्रियाट, थाड और एस.एम.-3 हथियारों का सीमित स्टॉक और कम हो जाएगा। हाल के हफ्तों में, अमरीका ने जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, बहरीन और इसराईल को और थाड और पैट्रियाट एंटीमिसाइल सिस्टम भेजकर मिडल ईस्ट में अपने एयर डिफैंस को मजबूत करने की कोशिश की है। एक नेवी अधिकारी के मुताबिक, अमरीका ने ईरानी खतरों को मार गिराने के लिए मिडल ईस्ट और मेडिटेरेनियन के पानी में 13 गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर भी भेजे हैं। पिछले जून में जब अमरीका ने ईरानी मिसाइल हमलों से इसराईल को बचाने में मदद की थी, तो इस लड़ाई से अमरीकी इंटरसैप्टर सप्लाई में खतरनाक कमी का पता चला। पिछले साल वसंत में जब अमरीका ने यमन में ईरान के सपोर्ट वाले हूती विद्रोहियों के खिलाफ लगभग 2 महीने तक बमबारी की थी, तब भी हथियारों के स्टॉक पर दबाव था।

पेसा क्षेत्र में 819 शिक्षण सेवकों की हुई नियुक्ति

शासन व सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का हुआ पालन : मनोज रानडे

पालघर (उत्तरशक्ति)। पेसा क्षेत्र के लिए अनुसूचित जनजाति वर्ग के शिक्षण सेवक पदों पर रिक्त 819 पदों की भर्ती प्रक्रिया को कानूनी व पारदर्शी तरीके से पूर्ण कर संबंधित अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश प्रदान किये गये हैं। यह जानकारी जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने दी।

इस निर्णय से पेसा क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही स्थानीय अनुसूचित जनजाति के पात्र उम्मीदवारों को न्याय मिला है। पेसा क्षेत्र की भर्ती को लेकर वर्ष 2023 में मामला सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल हुआ था। इसके बाद 5 अक्टूबर 2024 के सामान्य प्रशासन विभाग के शासन निर्णय के अनुसार संबंधित अभ्यर्थियों को मानधन आधार पर कार्यरत रखा गया था। आगे 11 फरवरी 2026 के शासन निर्णय तथा 25 फरवरी 2026 को आयुक्त (शिक्षण) के पत्र के अनुसार इन सभी अभ्यर्थियों को नियमित रूप से शिक्षण सेवक पद पर नियुक्ति प्रदान की गई।

भर्ती प्रक्रिया में कुल 819 रिक्त पदों को निर्धारित सीमा के भीतर भरा गया। पेसा क्षेत्र में ग्रामवार अनुसूचित जनजाति जनसंख्या के अनुपात के अनुसार पदों का वितरण किया गया। जिन गांवों में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 25% तक है, वहां 25% पद भरे गये। 25% से 50% जनसंख्या वाले गांवों में 50% पद भरे गये। 50% से अधिक जनसंख्या वाले गांवों में रिक्त पदों के 50% पद भरे गये। इसके अतिरिक्त मानधन पर कार्यरत 16 ग्रामसेवकों को भी नियुक्ति आदेश प्रदान कर पेसा क्षेत्र में उनकी संविदा आधार पर नियमित नियुक्ति की गई। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने स्पष्ट किया कि सभी 819 अभ्यर्थियों की नियुक्ति को रिक्त पदों की 50% सीमा के भीतर समायोजित किया गया है तथा शासन के निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए आदेश जारी किये गये हैं। नियुक्ति आदेश प्राप्त करने के बाद सभी अभ्यर्थियों ने खुशी व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया। नियुक्ति आदेश वितरण कार्यक्रम में सांसद डॉ. हेमंत सवरा, विधायक राजेंद्र गावित, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक पाटील तथा प्राथमिक शिक्षणाधिकारी सोनाली मातेकर उपस्थित थे।

समता विद्या मंदिर स्कूल में ग्रंथ दिंडी समारोह उत्साह के साथ संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मराठी तितुका मेळवावा, महाराष्ट्र धर्म वाढवावा के उद्घोष से गूंजते वातावरण में मराठी भाषा गौरव दिवस के अवसर पर साकीनाका स्थित समता विद्या मंदिर स्कूल में ग्रंथ दिंडी समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने संतों द्वारा रचित विभिन्न ग्रंथों की दिंडी विद्यालय परिसर में निकाली। छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर तथा नामजप करते हुए दिंडी में भाग लिया। महाराष्ट्र की पवित्र भूमि ने अनेक संतों और वीरों को जन्म दिया है। विद्यार्थियों ने उन्हीं संतों और वीरों की वेशभूषा धारण कर उनकी सजीव झलक प्रस्तुत की, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। सुबह 7 बजे दिंडी का शुभारंभ हुआ। कक्षा पांचवीं से नवमी तक के विद्यार्थियों ने इस उपक्रम में उत्साहपूर्वक सहभाग दर्ज किया। पूरे विद्यालय परिसर में भक्ति और संस्कृति का वातावरण निर्मित हो गया था। विद्यालय के सचिव राजेश सुभेदार तथा कार्याध्यक्ष ज्योति सुभेदार के मार्गदर्शन में यह मराठी भाषा गौरव उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। विद्यार्थियों में मराठी भाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रति अभिमान जागृत करना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य था, ऐसा विद्यालय के सचिव राजेश सुभेदार ने बताया। इस समारोह को सफल बनाने के लिए सांस्कृतिक प्रमुख भरत भोई, वैशाली हांडे, प्रतीक्षा गोरे, नीलम डीमेलो सहित अन्य शिक्षकों ने विशेष परिश्रम किया।

रोटरी क्लब द्वारा भिवंडी में विशाल नेत्र जांच शिविर के आयोजन में 30 नि:शुल्क मोतियाबिंद के मरीज चिन्हित

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के अखिल पद्मशाली समाज हाल पद्मानगर स्थित मानवता की सेवा के संकल्प के साथ रोटरी क्लब ऑफ भिवंडी सेंट्रल एवं रोटरी क्लब ऑफ अंबरनाथ नॉर्थ के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस सेवा अभियान में अखिल पद्मशाली समाज, सावला कंसल्टेंसी (बिपिन सावला), वीवीएम ग्रुप एवं परिवार का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। शिविर के दौरान चिन्हित जरूरतमंद मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन भक्ति वेदांत हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में सीएसआर फंड के माध्यम से पूर्णतः निःशुल्क किए जाएंगे। इस अवसर पर रोटरी क्लब की ओर से हॉस्पिटल प्रबंधन एवं चिकित्सा टीम का विशेष सम्मान कर आभार व्यक्त किया गया। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा कुल 130 नागरिकों की सूक्ष्म नेत्र जांच की गई, वहीं 30 जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गये और 30 लोगों में मोतियाबिंद चिन्हित किया गया जिनका आपरेशन भक्ति वेदांत हास्पिटल मीरारोड में 5 मार्च को भिवंडी से बस द्वारा ले जाया जायेगा और 6 मार्च को आपरेशन किया जायेगा, 7 मार्च को वापस भिवंडी लाया जायेगा। इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट का सफल संचालन प्रोजेक्ट चेयर पास्ट प्रेसिडेंट संतोष जी एवं पास्ट प्रेसिडेंट अजय नायक वशिष्ठ जी के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में रोटरी क्लब ऑफ भिवंडी सेंट्रल के सदस्य अरविंद भोईर, सतीश भोजने, महेश खड़के, नीता भोईर, पवन सिंघल, बिपिन सावला एवं प्रह्लाद तलेले ने सक्रिय भूमिका निभाई। साथ ही अखिल पद्मशाली समाज के अध्यक्ष रामकृष्ण पोट्टाबत्तीनी, सचिव राजू गांजेगी, कोंका मलेशम, बलराम अवधूत सहित समाज के सभी सदस्यों ने कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग किया। रोटरी क्लब के अध्यक्ष किशोर वेंगल एवं सचिव सुदर्शन जी ने सभी दानदाताओं, रोटरी सदस्यों तथा विशेष रूप से सावला कंसल्टेंसी के बिपिन सावला और अखिल पद्मशाली समाज के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

बोईसर के ओमसाईनगर में गंदा पानी सड़क पर, नागरिकों में रोष

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर ग्रामपंचायत क्षेत्र अंतर्गत ओमसाईनगर परिसर में गंदा पानी सड़क पर छोड़े जाने से गंभीर स्वच्छता व स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न हो गई है। स्थानीय रहिवासियों ने इस संबंध में ग्रामपंचायत कार्यालय बोईसर, ता. जि. पालघर को लिखित शिकायत देकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

रहिवासियों के अनुसार कुछ लोगों द्वारा जानबूझकर अपने नाले का गंदा पानी बिना किसी उचित व्यवस्था के सीधे सड़क पर छोड़ा जा रहा है। इसके कारण पूरे परिसर में दुर्गंध फैल रही है तथा सड़क पर गंदा पानी जमा होने से आवागमन में भारी कठिनाई हो रही है। विशेष रूप से स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों और बुजुर्गों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि संबंधित लोगों को कई बार समझाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया है। बरसात या पानी की अधिकता के समय स्थिति और भी विकट हो जाती है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ने की आशंका है। निवासियों ने ग्रामपंचायत प्रशासन से मांग की है कि स्थल निरीक्षण कर तत्काल उचित कार्रवाई की जाये तथा जिम्मेदार लोगों पर आवश्यक दंडात्मक कदम उठाया जाये, ताकि परिसर में स्वच्छता और स्वास्थ्य व्यवस्था बनी रहे। अब देखना यह होगा कि ग्रामपंचायत प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कितनी शीघ्रता से संज्ञान लेकर समाधान करता है।

द बॉडी शॉप के साथ होली पर पाएं सुरक्षित, स्वस्थ और दमकती त्वचा

मुंबई। होली के रंगों और बदलते मौसम के बीच त्वचा और बालों की देखभाल पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। सर्दियों से गर्मी की ओर बढ़ते इस मौसम में तेज धूप, धूल और रंग त्वचा की नमी छीन सकते हैं। ऐसे में द बॉडी शॉप होली से पहले और बाद की संपूर्ण स्किन और हेयर केयर रूटीन के साथ उपभोक्ताओं को सुरक्षित और बेफिक्र उत्सव मनाने के लिए प्रेरित करता है। होली से पहले त्वचा को तैयार करना बेहद जरूरी है। द बॉडी शॉप का टी ट्री स्किन क्लियरिंग फेशियल वॉश त्वचा की गहराई से सफाई कर अतिरिक्त तेल और अशुद्धियों को हटाता है। इसके बाद विटामिन ई हाइड्रेटिंग टोनर त्वचा की नमी बनाए रखने और उसे ठंडक देने में मदद करता है। विटामिन ई बैरियर बूस्ट क्रीम मॉइस्चर बैरियर को मजबूत कर लंबे समय तक हाइड्रेशन प्रदान करती है, जबकि स्किन डिफेंस मल्टी-प्रोटेक्शन लाइट एसेंस SPF 50 PA+++ हल्के, नॉन-ग्रीसी फॉर्मूले के साथ प्रभावी सन प्रोटेक्शन देता है। होली खेलने के बाद त्वचा और बालों को पोषण और मरम्मत की आवश्यकता होती है। बनाना ट्रूली नरिशिंग शैम्पू रूखे और बेजान बालों को मुलायम बनाता है, वहीं शिया इंटेंस रिपेयर हेयर मास्क बालों को अंदर से मजबूती देता है। शरीर की कोमल सफाई के लिए ड्यूबेरी बाथ एंड शावर जेल रंगों को हटाकर ताजगी प्रदान करता है। अंत में, शिया बॉडी बटर त्वचा को गहराई से पोषण देकर लंबे समय तक हाइड्रेटेड और मुलायम बनाए रखता है। द बॉडी शॉप का मानना है कि सही तैयारी और बाद की देखभाल के साथ होली का उत्सव पूरी तरह सुरक्षित और आनंदमय बन सकता है।

सोनोपन्त दांडेकर महाविद्यालय में मना मराठी राजभाषा गौरव दिन

पालघर (उत्तरशक्ति)। सोनोपन्त दांडेकर शिक्षण मंडली,पालघर द्वारा संचालित सोनोपंत दांडेकर कला, वि.स.आपटे वाणिज्य व म.ह. मेहता विज्ञान महाविद्यालय के मराठी वाङ्मय मंडल की ओर से मराठी राजभाषा गौरव दिवस बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। महान कवि वि. वा. शिरवाडकर (कुसुमाग्रज) की जयंती के अवसर पर मनमुराद शीर्षक से कविता,गीत व संवादों से सजे विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में टीम मनमुराद ने मराठी साहित्य की समृद्ध परंपरा और उसकी सौंदर्य दृष्टि को विद्यार्थियों के सामने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। ओवी, भजन, भक्तिगीत व भावगीत जैसी विविध विधाओं की रचनाओं का समीर पवार, अस्मिता जाधव व भाग्यश्री गोखले ने मधुर स्वर में गायन कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्हें साहिल म्हस्कर ने वादन के माध्यम से सशक्त संगत दी। शैलेश पाटील ने कविताओं का प्रभावी पाठ करते हुए संस्मरण और रोचक प्रसंग साझा किये जिससे पूरे कार्यक्रम को एक सुसंगत व भावपूर्ण स्वरूप मिला।

इस अवसर पर लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे की ' माझी मैना गावाला राहिली तथा प्रख्यात कवि नामदेव ढसाल की माणसाने कविता के माध्यम से साहित्य में निहित सामाजिक और राजनीतिक चेतना को रेखांकित किया गया। साथ ही ना.धो. महानोर एवं मंगेश पाडगावकर की प्रेम कविताओं को भी विद्यार्थियों ने उत्स्फूर्त सराहना दी। मराठी विभाग की छात्राएं कांचन भुयाल, संस्कृती राहे और मयुरी भोईर ने मल्हार कोली बोली में मराठी भाषा पर आधारित कविता प्रस्तुत की। उनकी प्रस्तुति झी २४ तास पर प्रसारित होने पर उनका विशेष सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष सीए सचिन कोरे, कोषाध्यक्ष मंगेश पंडित, सचिव सुधीर कुलकर्णी, सदस्य रामप्रकाश निराला, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किरण सावे तथा उपप्राचार्य डॉ. तानाजी पोल विशेष रूप से उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भाग लिया और कलाकारों की प्रस्तुतियों को जोरदार तालियों से सराहा। प्रास्ताविक भाषण प्रा. विवेक कुडू ने किया, आभार प्रदर्शन प्रा. यादव मोरे ने व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ. दर्शना चौधरी ने कुशलतापूर्वक किया। ह्य जेन-जी ह्न पीढ़ी में मराठी भाषा के प्रति रुचि और अपनत्व बढ़ाने की दिशा में यह आयोजन अत्यंत सार्थक और प्रेरणादायी सिद्ध हुआ।

यादव जी की लव स्टोरी के विरोध में निकाला मोर्चा

नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। पनवेल में यादव समाज द्वारा फिल्म यादव जी की लव स्टोरी के विरोध में एक मोर्चा निकाला गया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि फिल्म की विषय-वस्तु समाज की भावनाओं को आहत करती है, इसलिए फिल्म के शीर्षक और आपत्तिजनक अंशों में बदलाव किया जाए तथा निमार्ताओं को समाज विरोधी मानसिकता से बचने की चेतावनी दी जाए।

यह मोर्चा यादव समाज की संस्था विश्व यादव संघ के बैनर तले आयोजित किया गया। संस्था के अध्यक्ष मोतीलाल यादव, वरिष्ठ सलाहकार आर एन यादव, डी.एन. यादव और जितेन्द्र यादव सहित कई समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उन्होंने समाज के लोगों से एकजुट रहने की अपील की और कहा कि यदि फिल्म में आवश्यक संशोधन नहीं किया गया, तो अगला कदम उठाते हुए मुंबई स्थित केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (उइऋछ) के मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान पनवेल के तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें फिल्म की समीक्षा कर आवश्यक बदलाव करने की मांग की गई। मोर्चे को सफल बनाने में सुरेश यादव, सुभाष यादव, शिव प्रसाद, अखिल दादा यादव, राम प्रीत यादव, पारस यादव, कपिल यादव, राम यादव आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

अंत में आर.एन. यादव ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आंदोलन ने समाज में जागरूकता पैदा की है और भविष्य में भी समाज के सम्मान की रक्षा के लिए संगठित प्रयास जारी रहेंगे।

बोईसर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित, सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। श्री साई श्रद्धा को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड, बोईसर के तत्वावधान में मुख्यमंत्री सहायता निधि व धर्मदाय रुग्णालय मदत कक्ष, पालघर के सहयोग से शुक्रवार 27 फरवरी 2026 को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर साई श्रद्धा पतसंस्थामार्फत जिला परिषद स्कूल, दांडीपाड़ा में आयोजित हुआ।

शिविर में मेट्रो फिनिक्स मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, बोईसर के अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने उपस्थित नागरिकों की स्वास्थ्य जांच की। शिविर के अंतर्गत रक्तचाप (बीपी), मधुमेह (शुगर) जांच, बीएमआई, ईसीजी, मशीन द्वारा नेत्र जांच तथा निःशुल्क रक्त जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही डॉक्टरों द्वारा आवश्यकतानुसार परामर्श और मार्गदर्शन भी दिया गया। पूर्व जिला परिषद सदस्या व श्री साई श्रद्धा को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड, बोईसर की अध्यक्षा रंजना संखे ने बताया कि ग्रामीण एवं निम्न आय वर्ग के गरीब व जरूरतमंद लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ कराने के उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक चले इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजकों ने सभी सहयोगियों, डॉक्टरों की टीम तथा नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी उपक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

मीरा भायंदर मनपा द्वारा स्वच्छ सुंदर और स्वस्थ रखने की साप्ताहिक विशेष पहल स्वच्छता अभियान का शुभारंभ

तारकेश्वर पांडे मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में महापौर श्रीमती डिंपल विनोद मेहता, एवं नगर आयुक्त राधा विनोद शर्मा, ने स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया है। मीरा भायंदर नगरनिगम द्वारा सामूहिक गहन सफाई अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य मीरा भायंदर शहर की स्वच्छता व्यवस्था को अधिक कुशल, प्रभावी और सतत बनाना है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के मद्देनजर शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण पहल की गई है, और नगर प्रशासन नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वच्छता की शपथ लेकर अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर महापौर द्वारा शहर के सैलून एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को प्रयुक्त ब्लेड कचरे के लिए ब्लेड विन वितरित किया गया। साथ ही, बिसलेरी के माध्यम से प्लास्टिक की बोतलों से बने 70 टिकाऊ विंच का अनावरण किया गया। शहर के दो चयनित क्षेत्रों में हर शुक्रवार को योजनाबद्ध तरीके से व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के हालिया चरण में, वार्ड समिति संख्या 3 के अंतर्गत कुल 10 स्थानों पर व्यापक स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया। इस अवसर पर पार्षद कुसुम गुप्ता, स्मिता पाटिल, मदन सिंह, रजनीकांत मायकर, शाहानु गोहिल, जया दत्ता, दिव्या परव, मुन्ना सिंह, सचिन डोंगरे, आकांक्षा विर्कर, सहायक आयुक्त योगेश गुणिजन, सहायक आयुक्त दत्तात्रेय वकुर्टे, स्वच्छता निरीक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

यह अभियान विशेष रूप से सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों, नालियों, बाजारों, कचरा संग्रहण केंद्रों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और स्वच्छता के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों को लक्षित कर रहा है। आधुनिक यांत्रिक उपकरणों का उपयोग गहन सफाई के लिए किया जा रहा है और जेटिंग मशीन, सक्शन मशीन, सड़क सफाई मशीन आदि उपकरणों की सहायता से सफाई कार्य अधिक प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। अभियान के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विभिन्न विशेष उपाय लागू किए जा रहे हैं।

सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान से होने वाले दागों की पहचान कर-के, उन स्थानों को रेड स्पॉटक्ष अभियान के माध्यम से पूरी तरह से साफ किया जा रहा है और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है। खुले में शौच या गंदगी पाए जाने वाले स्थानों पर येलो स्पॉट अभियान चलाकर निवारक उपाय किए जा रहे हैं। साथ ही, सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से लगाए गए पोस्टर, बैनर और स्टिकर हटाकर शहर को सुंदर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण के लिए, एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वाले व्यक्तियों और व्यवसायों पर जुमार्ना लगाने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने, थूकने या गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने और स्वच्छता के प्रति अनुशासन स्थापित करने के लिए विशेष टीमें गठित की जा रही हैं। सखोल स्वच्छता अभियान नियमित रूप से चलाया जाएगा और नगर प्रशासन नागरिकों से शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाए रखने के लिए इस स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील करता है। मीरा भायंदर नगर निगम स्वच्छता के क्षेत्र में एक बार फिर उल्लेखनीय स्थान प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह अभियान उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मीरा भायंदर नगर निगम में मराठी भाषा गौरव दिवस धूमधाम से मनाया गया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। कल 27 फरवरी, 2026 को मीरा भायंदर नगर निगम द्वारा मराठी भाषा गौरव दिवस को बड़े उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में शहर के महापौर श्रीमती डिंपल विनोद मेहता, उप महापौर ध्रुवकिशोर मनसाराम पाटिल, आयुक्त राधा बिनोद ए. शर्मा, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संभाजी पानपट्टे, उपायुक्त डॉ.सचिन बंगर तथा प्रणाली घोंगे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर निगम मुख्यालय से डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर भवन तक स्कूली छात्रों के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मराठी भाषा के संरक्षण का संदेश देने वाले पोस्टर पकड़े हुए थे। इस जुलूस ने क्षेत्र में मराठी भाषा गौरव दिवस का उत्साहपूर्ण वातावरण बना दिया। इसके बाद महापौर, उप महापौर और आयुक्त ने कवि कुसुमाग्रज और सरस्वती माता की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों ने मराठी भाषा की समृद्ध परंपरा का गुणगान किया और इसके संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता पर बल दिया। अपने भाषण में महापौर श्रीमती डिंपल मेहता ने कहा कि समय के साथ अंग्रेजी भाषा का महत्व निश्चित रूप से बढ़ रहा है; फिर भी, मराठी हमारी मातृभाषा है और इसे सर्वोच्च स्थान देना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने सभी से मराठी भाषा के संरक्षण, प्रचार-प्रसार और दैनिक जीवन में इसके अधिक से अधिक उपयोग की अपील की। लेखिका प्रज्ञा पंडित और प्रोफेसर डॉ. संतोष राणे कार्यक्रम में सम्मानित वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने मराठी भाषा के इतिहास, इसकी शास्त्रीय परंपरा और आधुनिक समय में इसकी उपयोगिता पर प्रभावी मार्गदर्शन देकर उपस्थित लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में शहर के पार्षदों, अधिकारियों और कर्मचारियों, शिक्षकों तथा छात्रों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। मराठी भाषा के गौरव और इसके प्रचार-प्रसार की भावना को मजबूत करने वाला यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इंटर स्कूल ड्रामा प्रतियोगिता में अलहमद हाई स्कूल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर तृतीय पुरस्कार पर जमाया कब्जा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। विद्यार्थियों की छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और सृजनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा अंतर-विद्यालयीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में सफीना फाउंडेशन और यूनिक थिएटर के संयुक्त तत्वावधान में हफीज मैरेज ग्राउंड हॉल में इंटर स्कूल ड्रामा प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अल-हम्द हाई स्कूल (उर्दू माध्यम) के कक्षा पाँचवीं से आठवीं तक के 20 विद्यार्थियों के समूह ने भी पूरे जोश और उमंग के साथ सहभागिता की। विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध नाटककार सादिक अंसारी द्वारा लिखित तथा नूर आलम अंसारी द्वारा निर्देशित नाटक ह्लखिजां के फूलह्व का प्रभावशाली मंचन प्रस्तुत किया। सशक्त संवाद अदायगी और जीवंत अभिनय ने दर्शकों के साथ-साथ निर्णायक मंडल को भी प्रभावित किया। निर्णायकों के निर्णयानुसार अल-हम्द हाई स्कूल के ड्रामा दल ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता दर्ज की। इसके साथ ही कक्षा सातवीं के छात्र अंसारी अरमश अल्तमश को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता तथा कक्षा आठवीं के छात्र शेख नासिर मोहम्मद लारेब को सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता के सम्मान से नवाजा गया। इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों, हेडमिस्ट्रेस, सभी विभागों के प्रभारी शिक्षकों तथा समस्त स्टाफ की ओर से विजेता विद्यार्थियों और मार्गदर्शक शिक्षकों को हार्दिक बधाई दी गई। साथ ही भविष्य में भी इसी उत्साह और परिश्रम के साथ शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएँ व्यक्त की गईं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

नवाचार से उद्यमी बने विद्यार्थी: मुकुल वेदी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के विज्ञान संकाय के अंतर्गत बॉयोटेक्नोलॉजी एवं बायोकेमिस्ट्री विभाग द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद से पधारे विशेषज्ञ वक्ता मुकुल वेदी ने छात्र-छात्राओं को उद्यमिता एवं नवाचार के विविध आयामों से अवगत कराया।

श्री वेदी ने विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए आइडिया से बिजनेस प्लान तक की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने कृषि, पर्यावरण, मेडिकल डिवाइस, फूड सेक्टर, टिश्यू कल्चर, डायग्नोस्टिक किट, स्टार्टअप संस्कृति तथा नवाचार की आवश्यकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों

पर प्रकाश डाला। साथ ही उद्योगझअकादमिक सहयोग में ईडीआईआई की भूमिका को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को पारंपरिक रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार एवं अनुसंधान आधारित स्टार्टअप की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शोध, कौशल विकास, इंटर्नशिप और नेटवर्किंग के महत्व को बताते हुए कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवा उद्यमी वित्तीय सहायता प्राप्त कर अपने विचारों को व्यवसाय में परिवर्तित कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया सहित विभिन्न करियर संबंधी प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञ वक्ता ने विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव एवं बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अतिथि वक्ता का स्वागत किया और कहा कि ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों को नई दिशा एवं दृष्टि प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के संयोजक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर मुकुल वेदी का आभार व्यक्त किया। तथा धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस व्याख्यान से विद्यार्थियों को उद्यमिता की समझ विकसित करने में विशेष सहायता मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ.संजीव कुमार मौर्य ने किया एवं अतिथि का जीवन परिचय फूड साइंस टेक्नोलॉजी की छात्रा स्नेहा मौर्य ने प्रस्तुत किया।

इस अवसर प्रो एस पी तिवारी, डॉ.ऋषि श्रीवास्तव, डॉ. प्रतिमा, डॉ. श्वेता, डॉ. सिपाही लाल पटेल समेत शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विधायक के नव विवाहित पुत्र-पुत्र वधू को पीएम ने दी बधाई

आशीर्वाद समारोह में सीएम योगी, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना समेत जानी-मानी हस्तियां भी पहुंचीं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में शादी के पवित्र बंधन में बंधने वाले बदलापुर भाजपा विधायक रमेश चंद्र मिश्र के बेटे हर्षित और बहू श्रेया को बधाई दी है। प्रधानमंत्री के आधिकारिक कार्यालय से जारी पत्र को विधायक ने सोशल मीडिया पर शुक्रवार को शेयर किया है। पीएमओ के पत्र के मुताबिक पीएम ने निमंत्रण पत्र भेजने पर प्रसन्नता व्यक्त की है और धन्यवाद दिया है। उन्होंने नव विवाहित वर-वधु को जीवन के नव शुभारंभ की हार्दिक बधाई दी है। साथ ही उज्जवल भविष्य की कामना की है। कहा कि विश्वास और मित्रता की डोर से दोनों सदैव बंधे रहे और रिश्ते में स्नेह बना रहे।

उन्होंने बेहतर तालमेल से जीवन आगे बढ़ने और समय के साथ संबंध और अधिक गहरा तथा मजबूत होने की कामना की है। इसके लिए नव दंपति को दीर्घ, सुखद एवं सौभाग्यपूर्ण जीवन के लिए शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया है। विधायक के बड़े सुपुत्र हर्षित के विवाहोपरांत जनेश्वर मिश्र पार्क लखनऊ में आयोजित आशीर्वाद समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, उपमुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव, पूर्व गृहमंत्री कृपा शंकर सिंह, शाहगंज विधायक रमेश सिंह सहित अन्य लोग भी आशीर्वाद देने पहुंचे थे। इसके लिए विधायक और उनकी पत्नी संजू मिश्रा ने सहृदय धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है।

विद्युत स्पशार्घात से संविदा लाइनमैन की मौत

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद में इन दोनों विद्युत दुर्घटनाओं की बाढ़ सी आ गई है। अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही से आए दिन संविदा कर्मियों की मौत हो रही है। इसका जिम्मेदार कौन ताजा मामला घोरावल क्षेत्र के सब स्टेशन का है। जहां पर तैनात एक संविदा कर्मी गुरुवार की रात लगभग 6:00 बजे एक ट्रांसफार्मर की मरम्मत कर रहा था और अचानक विद्युत आपूर्ति चालू हो गई। जिससे वह बहुत बुरी तरह से झुलस गया साथियों के द्वारा उसको तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया जहां पर उपचार के दौरान रात्रि लगभग 1:00 बजे उसकी मौत हो गई। घोरावल सब स्टेशन पर तैनात संविदा लाइनमैन संतोष पुत्र चिंतामणि निवासी घोरावल जो विद्युत विभाग में संविदा लाइनमैन के पद पर कार्यरत था। गुरुवार की रात लगभग 6:00 बजे वह एक ट्रांसफार्मर की मरम्मत का कार्य कर रहा था। तभी अचानक विद्युत आपूर्ति चालू हो गई और वह बुरी तरह से झुलस गया। मौके पर उपस्थित कर्मचारी और स्थानीय लोगों के सहयोग से उसे जिला

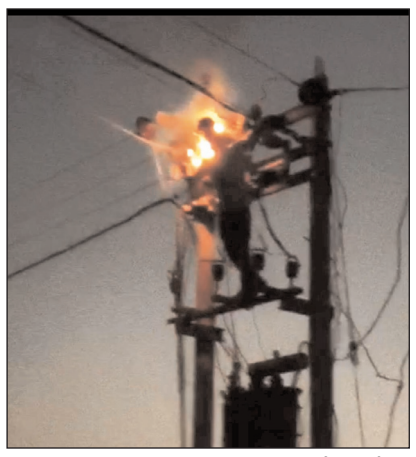

अस्पताल लाया गया जहां इलाज के दौरान रात्रि लगभग 1:00 बजे उसकी मौत हो गई। सवाल यह उठता है कि विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों की लापरवाही की वजह से संविदा कर्मियों की जान के साथ खिलवाड़ किया जाता है, आखिर यह कब तक चलता रहेगा। संविदा कर्मी अल्प वेतन में किसी तरह से अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। क्या यह अधिकारियों को नहीं मालूम उसके बाद भी लगातार उनका शोषण होता रहता है। कभी अधिकारियों के द्वारा तो कभी सरकारी कर्मचारियों के द्वारा काम का बोझ और मानसिक दबाव के चलते आए दिन संविदा कर्मी दुर्घटनाओं का शिकार हो रहा है। सवाल यह उठता है कि जिस परिवार से उनका कमाओ पुत चला जाता है उसे परिवार की रोजी-रोटी किसके भरोसे चलेगी विभाग में भ्रष्टाचार इस तरह हावी है। कि कभी-कभी इन कर्मचारियों को विभाग अपना कर्मचारी मानने से इनकार कर देता है जिससे उनका परिवार सड़कों पर आ जाता है और भुखमरी के कगार पर पहुंच जाता है। दूसरी तरफ यही अधिकारी उन घटनाओं पर पर्दा डाल करके चैन की नींद अपने घरों और ऐसी रूम में बैठकर सोते रहते हैं इनक की कुंभकर्णी नींद कब टूटेगी।

खेत से लापता हुई युवती, परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के मुर्की गांव से एक युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार जौनपुर जिले के केराकत थाना क्षेत्र के मुर्की गांव निवासी प्रेम पुत्र विश्वनाथ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी 21 वर्षीय पुत्री सीमा 24 फरवरी 2026 को शाम करीब 4 बजे गन्ने के खेत में गई थी। वहां से उसने घर फोन कर बताया कि वह घर आ रही है। परंतु शाम करीब 6 बजे जब वह घर पहुंचे तो उनकी पुत्री घर पर नहीं थी। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों को आशंका है कि किसी ने बहला-फुसलाकर युवती को अपने साथ ले गया है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच उपनिरीक्षक राकेश कुमार सोनकर को सौंपी गई है। पुलिस युवती की तलाश में जुटी हुई है।

भैंस चोरी की वारदात से पशु पालकों में दहशत

सुजानगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के शिवरिहा ग्राम में वृहस्पतिवार की बीती रात चोरों ने किसान की भैंस चोरी कर लिए। जानकारी अनुसार शिवरिहां निवासी पीड़ित दयाराम यादव ने सुजानगंज थाना पुलिस को लिखित तहरीर देते हुए बताया कि कुछ दिन पहले हमारे यहां पशु तस्करी के आरोपी रामचंद्र उपाध्याय निवासी पढुआ व पशु व्यापारी शेरु बाल्हामऊ हमारी भैंस व पीडयां बेचने के लिए कह रहे थे जिसको मैंने मना कर दिया। जिसके बाद वृहस्पतिवार को बीती रात मेरी भैंस व प प पडिया चोरी हो गई, पीड़ित ने उक्त दोनों व्यक्ति रामचंद्र उपाध्याय व शेरु के उपर ही आरोप लगाए हैं कि इन्हीं दोनों की मिली भगत से हमारी भैंस व पडिया चोरी हुई है। इस मामले को लेकर पीड़ित द्वारा एक सीसीटीवी कैमरे का वीडियो भी दिखाया जा रहा है जिसमें देखा जा रहा है कि एक पिकअप वाहन पर रात में कोई व्यक्ति भैंस लेकर जा रहा है।

कलश यात्रा धर्म और संस्कृति का प्रतीक: डॉ.सूर्यभान यादव

खुटहन के धिरौली नानकार गांव स्थित बाबा बान दईत मंदिर परिसर से निकली भव्य कलश यात्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन पटैला बाजार के निकट धिरौली नानकार गांव स्थित बाबा बान दईत मंदिर में मुख्य यज्ञ आचार्य वशिष्ठ नारायण चतुवेर्दी के सानिध्य में शुक्रवार को वेदी-पूजन एवं यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। आचार्य शिवकुमार त्रिपाठी ने विधि विधान से पूजा अर्चना एवं पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश कराया। मुख्य यजमान सपा नेता एवं वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. सूर्यभान यादव ने क्षेत्र की महिलाओं और कन्याओं के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली। इसमें स्कूली छात्राएं भी

शामिल हुई। उन्होंने कलश यात्रा को धर्म और संस्कृति का प्रतीक बताया। कहा कि कलश यात्रा भारतीय संस्कृति और धर्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो लोगों को एकजुट करती है और उन्हें अपने धर्म और संस्कृति से जोड़ती है। कलश को पवित्र माना जाता है और इसे यात्रा पर ले जाने से लोगों का मन पवित्र होता है। मौके पर आचार्य राकेश मिश्रा, ज्ञान प्रकाश पांडेय, आदित्य नारायण तिवारी, अखिलेश यादव, उमेश शर्मा, आशीष कुमार यादव, संत लाल गौड़, लक्ष्मी शंकर यादव आदि मौजूद रहे।

खेतासराय थाना परिसर में हुई पीस कमेटी की बैठक

होली-ईद को लेकर प्रशासन अलर्ट, एसडीएम व नायब तहसीलदार ने शांति बनाए रखने की अपील

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी होली व ईद पर्व को सकुशल एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को थाना खेतासराय परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों, नगर पंचायत खेतासराय के चेयरमैन, होली व ईद कमेटी के अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी (एसडीएम) ने की, जबकि थाना प्रभारी निरीक्षक एवं समस्त थाना स्टाफ भी मौजूद रहा। इस दौरान नायब तहसीलदार ने भी सहभागिता करते हुए पर्वों के दौरान आपसी भाईचारे और कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। उपस्थित अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पर्वों के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह या अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेश फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

नगर पंचायत चेयरमैन व दोनों पर्व समितियों के अध्यक्षों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन

दिया और कहा कि खेतासराय की गंगा-जमुनी तहजीब को कायम रखते हुए सभी लोग मिलजुल कर त्योहार मनाएंगे। थानाध्यक्ष ने बताया कि संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। बैठक के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने एक स्वर में शांति, सौहार्द और आपसी सद्भाव के साथ त्योहार मनाने का संकल्प लिया।

साई बाबा का जीवन मानवता को रहा समर्पित: रमेश सिंह

धूमधाम से मनाया गया साईं बाबा मंदिर का 26 वाँ वार्षिकोत्सव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत बसौली स्थित साईं

बाबा मंदिर का 26 वाँ वार्षिकोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया गया। मंदिर परिसर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में देर शाम तक भक्तों का सैलाब उमड़ा रहा। मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किये। शाम को विधायक रमेश सिंह ने मंदिर में पहुंचकर साईं बाबा के चरणों में मत्था टेका, दर्शन एवं पूजा अर्चना की। विधायक ने कहा कि साईं बाबा का जीवन मानवता को समर्पित रहा। उन्होंने मानव को दया, करुणा, सत्य और अहिंसा की राह पर चलना सिखाया। कहा कि उनका जीवन संपूर्ण मानव जाति के लिए अनुकरणीय है। मुख्य आयोजक हनुमान शरण सिंह ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र वासियों के मन में अपार उत्साह है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रशासन, स्वयंसेवकों एवं क्षेत्र वासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पीएसी सहित सरपतहां, खुटहन और करौदी कला पुलिस फोर्स तैनात रही। वार्षिकोत्सव में शामिल होने के लिए जौनपुर जनपद के अलावा बनारस, मुगलसराय, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, अंबेडकर नगर, आजमगढ़ सहित अन्य समिति जनपदों सबसे श्रद्धालु पहुंचे।

मां का दिव्य दर्शन करके अभिभूत हूं: विधायक

देवी धाम बसौली में विधायक रमेश सिंह ने टेका मत्था

विधायक रमेश सिंह ने बसौली के देवी धाम में गुरुवार की देर शाम शीतला माता मंदिर में मत्था टेक कर आशीर्वाद लिया। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित रमेश तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कराया। विधायक ने कहा कि मां का दिव्य और अलौकिक दर्शन करके अभिभूत हूं। मां आदिशक्ति एवं जगत जननी हैं जिनकी लीला अपरंपार है। मां का आध्यात्मिक तेज कण-कण में विराजमान है। विधायक ने

बताया कि यह एक अद्भुत एवं जीवंत शक्तिपीठ है जहां आकर भक्तों की मन्नतें पूरी होती हैं। मुख्य पुजारी ने कहा कि यह मंदिर 14 कोस की परिधि के लोगों के लिए आस्था भक्ति एवं श्रद्धा का प्रमुख केंद्र है। यहां से भक्तों की गहरी आस्था जुडी हुई है। जो भी निष्काम भाव से माता रानी के दरबार में आता है मां उसकी हर मनोकामना पूरी करती हैं।

गोपालापुर में लगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, विशेषज्ञ डॉक्टरों ने की जांच

पेटल हॉस्पिटल व आसरा फाउंडेशन की पहल, सैकड़ों ग्रामीणों ने उठाया लाभ

धर्मापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। धर्मापुर ब्लॉक की गोपालापुर ग्रामसभा में रविवार को पेटल हॉस्पिटल द्वारा आसरा फाउंडेशन के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान करना रहा। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच व चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने ओपीडी के माध्यम से मरीजों की जांच की और आवश्यक सलाह दी। इस दौरान डॉ.डी.के. सिंह (ऑथोपेंडिक विशेषज्ञ), डॉ.अभिषेक मिश्रा (MBBS, MD मेडिसिन) तथा डॉ. कनीज फातिमा (MBBS, MS स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ) ने मरीजों की विस्तार से जांच की। जरूरतमंद

मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। साथ ही लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए नियमित जांच और संतुलित जीवनशैली अपनाने की सलाह दी गई। पेटल हॉस्पिटल के संस्थापक जमान साकलैन ने बताया कि अस्पताल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए भविष्य में भी ऐसे निशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन लगातार किया जाता रहेगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को समय पर जांच और उचित उपचार मिल सके। स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गांव स्तर पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता से उन्हें काफी राहत मिली है। लोगों का कहना था कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर समाज के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहे हैं और इससे गरीब व जरूरतमंद मरीजों को सीधा लाभ मिलता है।

पोस्टर, रंगोली, क्विज, निबंध प्रतियोगिताओं में छात्रों की उत्साहपूर्ण सहभागिता

विज्ञान दिवस की पूर्व संध्या पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिक विज्ञान अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की पूर्व संध्या पर विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर, रंगोली, क्विज एवं निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों एवं संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार की भावना तथा विज्ञान के प्रति गहरी रुचि विकसित करना था। पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास जैसे समसामयिक विषयों को सृजनात्मक और आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया। क्विज प्रतियोगिता में छात्रों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी ज्ञान क्षमता और त्वरित निर्णय कौशल का परिचय दिया। वहीं निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विज्ञान की भूमिका, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा समाज पर उसके प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किए। अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं

कार्यक्रम संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, तार्किक क्षमता एवं रचनात्मकता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस जैसे अवसर विद्यार्थियों को विज्ञान के महत्व को समझने और नवाचार के लिए प्रेरित करने का सशक्त माध्यम हैं।

इस अवसर पर आयोजन सचिव डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. संदीप वर्मा, डॉ. सुजीत चौरसिया सहित अन्य शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के मुख्य समारोह में प्रदान किए जाएंगे, जबकि सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों के सहयोग से कार्यक्रम का सफल संचालन संपन्न हुआ।

यह आयोजन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विज्ञान के प्रति जागरूकता प्रसारित करने तथा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक पहल सिद्ध हुआ।

आज दुनिया को और अधिक हथियारों की नहीं, न्याय की जरूरत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री के इजराइल दौरे पर मोहम्मद अरशद खान का वक्तव्य– न्याय, मानवता और वैश्विक जिम्मेदारी की पुकार।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश विधान सभा के जौनपुर सदर से पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे पर एक मजबूत और गहन मानवीय दृष्टिकोण से अपना वक्तव्य जारी किया है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब पूरी दुनिया गजा में अभूतपूर्व मानवीय त्रासदी की साक्षी बन रही है।

आज जब गजा में नागरिकों की विनाशकारी मृत्यु से वैश्विक अंतरात्मा झकझोर दी गई है, जब मासूम बच्चों की निर्जीव देह मलबे के नीचे से निकाली जा रही है, जब हजारों माताएँ अपने बच्चों के अपूरणीय नुकसान पर शोकमग्न हैं, और जब लाखों नागरिक पीड़ा, चोट, विस्थापन और निराशा में जीवन जीने को मजबूर हैं – ऐसे समय में प्रधानमंत्री का यह दौरा अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने गंभीर नैतिक, मानवीय और नैतिक प्रश्न खड़े करता है।

गजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक 72,000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। ये केवल आँकड़े नहीं हैं – ये टूटे हुए परिवारों, बर्बाद भविष्य और मानवता की अंतरात्मा पर लगे गहरे घाव का प्रतीक हैं। यह त्रासदी वैश्विक न्याय, मानव गरिमा और सभ्य समाज के मूल सिद्धांतों की नींव को हिला रही है।

महात्मा गांधी और बौद्ध की धरती भारत – जो शांति, अहिंसा, न्याय और नैतिक साहस का शाश्वत प्रतीक है – ऐतिहासिक रूप से हमेशा उत्पीड़ितों, वंचितों और अन्याय के शिकार लोगों के साथ खड़ा रहा है। भारत की वैश्विक पहचान शांतिपूर्ण सहअस्तित्व, मानवाधिकारों और नैतिक नेतृत्व के सिद्धांतों पर आधारित रही है।

मानव इतिहास के इस निर्णायक मोड़ पर केवल कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है। एक उच्च नैतिक दायित्व मौजूद है – मानवता के पक्ष में दृढ़ता से खड़े होने का दायित्व। इजराइल की धरती से ही भारत को एक स्पष्ट, सिद्धांतपरक और साहसिक आवाज उठानी चाहिए, जिसमें गजा में मासूम नागरिकों, विशेषकर बच्चों, महिलाओं और निर्दोष लोगों की हत्या को तत्काल रोकने की मांग की जाए।

गजा में नागरिक जीवन का व्यवस्थित विनाश, बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित करना और व्यापक मानवीय तबाही किसी भी परिस्थिति में न्यायोचित नहीं ठहराई जा सकती। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (कछउ) द्वारा इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाना इस मानवीय संकट की गंभीरता की वैश्विक स्वीकृति को दशार्ता है और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत जवाबदेही सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है।

आज दुनिया को और अधिक हथियारों की नहीं – न्याय की आवश्यकता है। दुनिया को मौन की नहीं – नैतिक साहस की आवश्यकता है। दुनिया को राजनीतिक तटस्थता की नहीं – बल्कि मानवता पर आधारित सिद्धांतपरक नेतृत्व की आवश्यकता है।

न्याय, मानवता और शांति में विश्वास रखने वाले करोड़ों लोगों की ओर से, मोहम्मद अरशद खान भारत सरकार और प्रधानमंत्री से आह्वान करते हैं कि वे 140 करोड़ भारतीयों की नैतिक चेतना का सम्मान करें और गजा में पीड़ित निर्दोष नागरिकों के समर्थन में स्पष्ट, सशक्त और अडिग आवाज उठाएँ। भारत को रक्तपात को तत्काल रोकने तथा न्याय, जवाबदेही और स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक स्तर पर रचनात्मक और निर्णायक भूमिका निभानी चाहिए।

इतिहास केवल नेताओं के कार्यों को ही नहीं – बल्कि अन्याय के क्षणों में उनकी चुप्पी को भी याद रखता है।

अब बोलने का समय है।
अब कार्य करने का समय है।
मानवता की विजय हो। न्याय की विजय हो।

केराकत में खड़ी बाइक चोरी, पीड़ित ने दर्ज कराई एफआईआर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र में खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार जौनपुर जिले के केराकत थाना क्षेत्र के पेसारा गांव निवासी लक्ष्मण सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 25 फरवरी 2026 को वह अपनी मोटरसाइकिल (यूपी50 बीपी 7936) से आजमगढ़ के लालागंज से अपने घर लौट रहे थे। रास्ते में लालजी इंटर कॉलेज तिराहा के पास उन्होंने गाड़ी खड़ी कर थोड़ी देर के लिए चले गए। जब वह वापस लौटे तो उनकी मोटरसाइकिल मौके से गायब थी। काफी खोजबीन के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल सका। घटना शाम करीब 7:30 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर केराकत पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक सुरेश कुमार सिंह को सौंपी गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में जांच कर रही है तथा चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

पिकअप और ट्रक की आमने सामने टक्कर में बाल बाल बचे चालक

-रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नधिरा मोड के समीप पिंक अप और ट्रक की आमने सामने टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहन पलट गये ।संयोग की घटना में कोई हादसा नहीं हुआ। शुक्रवार को बीजपुर रेणुकूट मार्ग पर नधिरा मोड के समीप ट्रक और पिक अप आमने-सामने टक्कर में दोनों वाहन पलट गये ।घटना में पिक अप चालक 35 वर्षीय नन्द किशोर पुत्र स्व लाल जी सिंह निवासी बीडर और ट्रक चालक 40 वर्षीय ताहिर निवासी राजस्थान दोनों को मामुली चोट लगी है। पिक दुद्धी से अम्बिकापुर सब्जी लेने जा रही थी ।ट्रक उड़ीसा से राजस्थान तार लेकर जा रही थी ।घटना में दोनों चालक सुरक्षित है ।घटना के बाद हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पीआरपी पहुंच कर आवागमन व्यवस्था बहाल करने में लगी रही। प्रभारी निरीक्षक दिन्नु प्रसाद यादव ने बताया कि घटना में दोनों चालक असुरक्षित है आगे कार्यवाही किया जा रहा है।

शक्ति मोबाइल अभियान से महिलाओं को किया जा रहा जागरूक

सुरक्षा,साइबर अपराध व हेल्पलाइन नंबरों की दी जा रही जानकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में विशेष अभियान शक्ति मोबाइल चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जनपद में महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और उपलब्ध पुलिस संसाधनों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। शक्ति मोबाइल टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर बालिकाओं और महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। साथ ही किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर अपराध की स्थिति में पुलिस सहायता कैसे प्राप्त करें, इस संबंध में भी मार्गदर्शन किया जा रहा है। महिलाओं को विशेष हेल्पलाइन नंबरों के बारे में अवगत कराया जा रहा है, जहां वे किसी भी समस्या की शिकायत दर्ज करा सकती हैं। टीम द्वारा पोस्टर, ब्रोशर एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भी सुरक्षा और जागरूकता के संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है, साथ ही समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है। जनपद पुलिस का मानना है कि जागरूकता ही सुरक्षा का सबसे बड़ा माध्यम है और इसी सोच के साथ शक्ति मोबाइल अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है।

हर हर महादेव से गूंजा श्मशान, हरिश्चंद्र घाट पर मसान होली

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के पावन हरिश्चंद्र घाट पर आस्था और अध्यात्म से ओत-प्रोत मसान होली की शुरूआत हुई। श्मशान भूमि हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठी। बाबा कीनाराम धाम से निकली भव्य शोभायात्रा में साधु-संतों संग भूत-पिशाच वेशधारी कलाकारों ने अद्भुत आध्यात्मिक वातावरण रचा। कपाली बाबा ने महाश्मशान में विधिवत पूजन कर परंपरा का शुभारंभ कराया। रंग-गुलाल के साथ भक्तों ने भगवान शिव से सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। काशी की यह अनूठी परंपरा श्रद्धा, विरक्ति और भक्ति का दिव्य संगम है।

वाराणसी में स्मार्ट वॉच से होगी सफाई व्यवस्था की निगरानी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के नगर निगम प्रशासन ने डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन को शत-प्रतिशत करने की दिशा में विशेष पहल कर रहा है। अप्रैल माह से सफाई व्यवस्था की निगरानी स्मार्ट वॉच से की जाएगी। सफाईकर्मियों को विशेष प्रकार की घड़ी देने की योजना है, जो जीपीएस से कनेक्ट होगी। इससे सफाई और सफाईकर्मियों दोनों पर नजर रखी जा सकेगी। अपर नगर आयुक्त सविता यादव ने समार्ट वॉच के साथ-साथ सभी इंस्पेक्टरों, सुपरवाइजरों और सफाईकर्मियों का बीट चार्ट बनाने का निर्देश दिया गया है। बीट चार्ट ऑनलाइन किया जएगा। इसे निगम की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, ताकि कोई भी नागरिक अपने इलाके के इंस्पेक्टरों, सुपरवाइजरों और सफाई कर्मियों का नाम आसानी से जान सके। इससे सफाई से जुड़ी समस्याओं का समाधान हो सकेगा। 300 से 500 मीटर की परिधि में दो सफाईकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। साथ ही बीट चार्ट को पूरी तरह से डिदिटल करने का निर्णय लिया गया है।

खिड़की तोड़ कर विद्यालय से खाद्यान्न उठा ले गए चोर

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कंपोजिट विद्यालय लवायन के रसोई घर की खिड़की गुरूवार की रात तोड़ कर भीतर बोरी में रखा लगभग 50 किग्रा खाद्यान्न अज्ञात चोर उठा ले गए। घटना की जानकारी दूसरे दिन सुबह होने पर प्रभारी प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश भारती ने थाने में तहरीर दिया है। आरोप है कि रोज की तरह वे गुरुवार को स्कूल बंद कर घर चले गए। सुबह स्कूल पहुंचे तो किचन की खिड़की टूटी हुई मिली। भीतर रखा खाद्यान्न नदारत था।

आजमगढ़ : चर्चित हत्याकाण्ड में आरोपी को आजीवन कारावास

आपरेशन कनविक्शन के तहत प्रभावी पैरवी से कोर्ट ने सुनाया सख्त फैसला, 50 हजार का जुमार्ना भी लगा

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद में चलाए जा रहे आपरेशन कनविक्शन अभियान के तहत जनपदीय पुलिस की गुणवत्तापूर्ण विवेचना, मॉनिटरिंग सेल की सतत निगरानी और अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप हत्या के एक मामले में आरोपी को सजा दिलाने में सफलता मिली है। थाना बिलरियागंज में पंजीकृत वर्ष 2019 के हत्या प्रकरण में न्यायालय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट संख्या-1 ने आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास एवं 50,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। घटना 16 अगस्त 2019 की है, जब वादिनी किरन सिंह पत्नी अवनीश सिंह निवासी ग्राम बरोही फतेहपुर थाना बिलरियागंज ने थाने पर लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव के ही अंकित सिंह पुत्र रामनाथ सिंह ने जमीनी विवाद को लेकर उनके पति अवनीश सिंह की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। इस संबंध में थाना बिलरियागंज पर मु0अ0सं0 116/2019 धारा 302 भादवि के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। विवेचना पूर्ण कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा 10 गवाहों को परीक्षित कराया गया। साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर 27 फरवरी 2026 को न्यायालय ने आरोपी अंकित सिंह को दोषसिद्ध पाते हुए आजीवन कारावास तथा 50,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने बताया कि ऑपरेशन कनविक्शन के तहत गंभीर अपराधों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि अपराधियों को समयबद्ध सजा दिलाई जा सके।

अधर्म पर चलने वाले कभी भी सुखी नहीं हो सकते हैं : पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज

-लालशेखर सिंह ब्यूरो

वसई (उत्तरशक्ति)। हमें कभी भी अपना कर्म नहीं बिगाड़ना चाहिए क्योंकि 17 जन्म पूर्व कभी भीष्म पितामह से कोई गलती हुई थी। उनका कर्म बिगड़ा था और उसका परिणाम हुआ कि छह महीने बाण की शैया पर लेटे रहना पड़ा। उक्त बातें वसई पूर्व स्थित बसन्त नगरी मैदान में निर्मित भव्य कथा मंडप में श्री राम कथा का गायन करते हुए पंचम दिन पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने व्यासपीठ कहीं। श्रीराम कथा गायन के लिए लोक ख्याति प्राप्त प्रेममूर्ति पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने श्री मती मीरा विजेंद्र सिंह के पावन संकल्प से आयोजित नौ दिवसीय रामकथा में श्री सीताराम विवाह के बाद के प्रसंगों का गायन करने के क्रम में कहा कि कर्म और प्रारब्ध का ही परिणाम था कि जटायु जी ने राम जी के गोद में प्राण त्याग किया और दशरथ जी राम राम रटते हुए प्राण त्यागने को बाध्य हुए। ज्येष्ठ पुत्र श्री राम जी ने भी 17 दिन बाद उन्हें भरत जी से सूचना मिलने के बाद तिलांजलि प्रदान की।

पूज्य श्री ने कहा कि भारत में विवाह एक संस्कार है, एक मयार्दा है। इसी संस्कार से समाज, परिवार, देश और धर्म संरक्षित होता है। भगवान राम ने भी मर्यादा का पालन किया और इसीलिए उन्हें मयार्दा पुरुषोत्तम कहा गया है। प्रकृति में केवल मनुष्य को छोड़करप्रभु की हर रचना और वस्तु अपने मयार्दा में रहती है। केवल मनुष्य ही अमर्यादित भी रहता है। पूज्यश्री ने कहा कि मनुष्य का मन और उसके बुद्धि उसके अपने कर्मों के अधीन है। हम जो भी कम करते हैं उसे हमारा क्रियमाण बनता है। यही कर्म फल एकत्र होकर संचित कर्म होता है और फिर कई जन्मों के लिए यह प्रारूप प्रारब्ध के रूप में जीव के साथ जुड़ जाता है। सत्कर्मों से जिसने भी अपने

प्रारब्ध को बेहतर बना रखा है, इस जन्म में भी सत्कर्मों में उसी की गति बन पाती है । अन्यथा बार-बार विचार करने के बाद भी हम उस पथ पर अपने को आगे नहीं ले जा पाते हैं।

महाराज जी ने कहा कि किसी योग्य व्यक्ति के अधिकार का हनन करके हम आरक्षण के बल पर किसी को पद तो दे दे सकते हैं लेकिन उसे बुद्धि नहीं दे सकते हैं। आरक्षण की व्यवस्था से हम नौकर तो बना सकते हैं लेकिन मालिक नहीं। आरक्षण प्राप्त करने वाले को भी बाद में यह पता चलता है कि यह व्यवस्था उसके भी हित में नहीं है। लेकिन वह भरत जी की तरह अनाधिकार मिले इस विशेष अवसर का त्याग करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता है। पूज्य महाराज श्री ने कहा कि अगर हम कर्तव्य करते हैं तो अधिकार की प्राप्ति स्वतः ही हो जाती है लेकिन अगर किसी को अनाधिकार कुछ प्राप्त हो जाता है तो उसे उसी समय सावधान होने की आवश्यकता होती है क्योंकि अनाधिकार कुछ भी जो प्राप्त होता है वह विष के समान है और जीवन में दुख ही दुख प्राप्त होता है । भैया भरत ने राजगद्दी इसीलिए नहीं संभाली क्योंकि राजगद्दी पर राजाराम का अधिकार था ।

भैया भरत उस पर अपना अधिकार नहीं मानते थे। यहां तक कि पूज्य गुरुदेव जी की आज्ञा का उल्लंघन करते हुए भी उन्होंने गद्दी पर राजारामजी का ही अधिकार माना और राजारामजी का राज्याभिषेक करने के लिए वह सदल बल चित्रकूट की ओर रवाना हो गए। पूज्य श्री ने कहा कि आसुरी शक्तियों के समापन के लिए ही भगवान श्रीराम ने वन प्रदेश की मंगल यात्रा का कार्यक्रम खुद तय किया था। उन्होंने राज्य सत्ता संभालने से पहले आसुरी शक्तियों का काम तमाम किया। राम जी से हमारी युवा पीढ़ी को यही सीख लेने की आवश्यकता है कि युवा अवस्था में जो तपता है उसी का जीवन सफल होता है। आराम तलब युवा का जीवन खुद-ब-खुद अस्तव्यस्त हो जाता है। पूज्य श्री ने कहा कि धर्मशील व्यक्ति सदा सुखी ही रहता है और अधर्म पथ पर चलने वाले लोग सुखी केवल दिखते हैं, सुखी रहते नहीं। भारतीय सनातन संस्कृति में यह बार-बार प्रमाणित हुआ है कि जो भी व्यक्ति धर्म पथ पर चलते हुए संसार में विचरण करते हैं, उनके घर से दुख भी दूरी बना कर रहता है और ऐश्वर्य स्वयं चलकर उनके घर पहुंचते हैं। कथा के मुख्य संकल्पी विजेंद्र सिंह तथा दैनिक यजमान अविनाश जी मिश्रा ने सपरिवार व्यास पीठ का पूजन किया और भगवान की आरती उतारी। महाराज श्री ने कई सुमधुर भजनों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। हजारों की संख्या में उपस्थित रामकथा के प्रेमी भजनों का आनन्द लेते हुए झूमते नजर आए।

कूपर कॉर्पोरेशन ने एसीएमए बेस्ट एचआर प्रतियोगिता में जीत हासिल की

मुंबई /पुणे। इंजिन के पार्ट्स और जनरेटर बनाने वाली विश्व प्रसिद्ध कंपनी, कूपर कॉर्पोरेशन को मानव संसाधन (एचआर) क्षेत्र में की गई नवाचारपूर्ण प्रयासों के लिए एसीएमए के 17वें वार्षिक एचआर समिट (पश्चिम क्षेत्र) में सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में देश भर की 18 शीर्ष कंपनियों की टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करके, कूपर कॉर्पोरेशनने एसीएमए की 6वीं बेस्ट एचआर प्रैक्टिसेस प्रतियोगिता में फर्स्ट रनर-अप का स्थान हासिल किया। इस समिट का विषय था फ्यूचर-रेडी एचआरः लोगों, तकनीक और प्रतिभा को आकार देना। इसमें ऑटोमोबाइल उद्योग क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञ, नीति निमार्ता और एचआर पेशेवर शामिल हुए। कार्यक्रम में एचआर क्षेत्र में बदलाव, ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) का समावेश और बदलते कामकाजी वातावरण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर चर्चा हुई। इस अवसर पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, कूपर कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री फारुख एन. कूपर ने कहा,: ₹ एसीएमए बेस्ट एचआर प्रैक्टिसेस प्रतियोगिता में मिला यह सम्मान हमारे लिए गर्व की बात है। 'ई-एकलव्य' पहल हमारे इस बात का प्रतीक है कि तकनीक की मदद से सीखना भविष्य के लिए सक्षम संस्था बनाने में महत्वपूर्ण है। हमारे कर्मचारी हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। इस तरह के पहल हमारे कर्मचारियों के कौशल को लगातार बढ़ाने, उनकी क्षमताओं को सुधारने और बदलते उद्योग वातावरण में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद करते हैं। मैं हमारी एचआर और प्रशिक्षण टीम को उनकी मेहनत और नवाचारपूर्ण कार्य के लिए दिल से बधाई देता हूं।

होली पर यूपी के 47 हजार कर्मचारियों की नहीं मिलेगा वेतन, मुख्य सचिव का आया ये आदेश

मुफ्तीगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में 47 हजार राज्य कर्मचारियों का वेतन नहीं आएगा ।इस बार इनकी होली बेरंग रहेगी ।प्रदेश में राज्यकर्मियों को अपनी संपत्ति का ब्योरा देने के लिए 10 मार्च तक का समय दे दिया गया है ।राज्यकर्मियों को 10 मार्च तक सम्पत्तियो का ब्योरा देना है ।इसकी जानकारी देने के बाद ही जनवरी और फरवरी का वेतन मिलेगा ।पदोन्नति और एसीपी का लाभ नहीं मिलेगा ।इस बारे में मुख्य सचिव एसपी गोयल की तरफ से आदेश जारी कर दिया गया है। बता दें कि योगी सरकार ने यूपी में भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को सख्ती से लागू करते हुए बड़ा कदम उठाते हुए राज्यकर्मियों को अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्योरा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य किया था,लेकिन तय समयसीमा बीत जाने के बाद भी कर्मचारियों ने निदेर्शों की अनदेखी की। इन कर्मचारियों ने अपनी डिटेल अपलोड नहीं की ।इस लापरवाही से शासन ने कर्मचारियों का वेतन रोकने का सख्त फैसला लिया। इस संबंध में मुख्य सचिव एसपी गोयल शासनादेश जारी किया है। बता दें कि योगी सरकार एकीकृत मानव संसाधन प्रबंधन के लिए मानव संपदा पोर्टल का इस्तेमाल करती है ।इस पोर्टल के जरिए सरकार कर्मचारियों की सेवा संबंधी जानकारी,वेतन, संपत्ति विवरण आदि का डिजिटल प्रबंधन करती है। जीरो टॉलरेंस नीति के तहत यह पहल भ्रष्टाचार पर रोक लगाने और प्रशासनिक अनुशासन मजबूत करती है ।प्रदेश के अधिकारियों ने सभी प्रभावित कर्मचारियों से अपील की है कि वे तत्काल मानव संपदा पोर्टल लॉगिन कर अपनी संपत्ति का ब्योरा अपडेट करें, ताकि उनका वेतन जल्द जारी हो सके। बता दें कि यूपी के इन 47 कर्मचारियों को छोड़कर होली के मद्देनजर सभी कर्मचारियों और पेंशनरों को तनख्वाह-पेंशन 28 फरवरी को ही जारी की जाएगी ।वित्त विभाग ने कर्मचारियों और पेंशनधारकों को सैलरी और पेंशन जारी करने के लिए सभी जिला अधिकारियों और सभी मुख्य व वरिष्ठ कोषाधिकारियों को आदेश जारी किए हैं। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि एक मार्च को सामान्य अवकाश है और दो मार्च को होलिका दहन के त्योहार का सार्वजनिक अवकाश है ।लिहाजा सभी राज्य कर्मचारियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों और कार्यप्रभारित कर्मचारियों को वेतन और कोषागारों से पेंशन पाने वाले पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को फरवरी का वेतन 28 फरवरी को ही जारी कर दिया जाए।

किसी भी संगठन की रीढ़ उसके सदस्य होते हैं : संजय अस्थाना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उ. प्र. की पूर्व निर्धारित बैठक कलेक्ट्रेट स्थित पत्रकार संघ भवन में जिलाध्यक्ष संजय अस्थाना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए श्री अस्थाना ने कहा कि किसी भी संगठन में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि वह एक परिवार की तरह कार्य करता है। संगठन की मजबूती उसके सक्रिय और समर्पित सदस्यों पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि किसी भी संघ या संगठन की वास्तविक रीढ़ उसके सदस्य ही होते हैं, इसलिए सभी की सहभागिता और एकजुटता आवश्यक है। बैठक में संरक्षक मंडल के जय आनन्द, श्याम रतन श्रीवास्तव, मंडल पदाधिकारी प्रदीप पांडेय तथा दया शंकर निगम ने भी अपने विचार व्यक्त किए और संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया। महासचिव लक्ष्मी नारायण मौर्या, आशीष पांडेय एवं विवेक श्रीवास्तव के सहयोग से उपस्थित पदाधिकारियों को आई-कार्ड वितरित किए गए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 15 मार्च, रविवार को होली मिलन समारोह का आयोजन कर जिले भर के सदस्यों को आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही सभी सदस्यों का समूह बीमा कराने का भी प्रस्ताव पारित किया गया। इस अवसर पर सदर तहसील अध्यक्ष देवेंद्र खरे, इकराम अंसारी, आबिश इमाम,सोनू पाण्डव, अवधेश तिवारी, सत्येंद्र मिश्रा, विद्याधर राय विद्यार्थी, दीपक सिंह, रजनी सोनी, नेहा जयवंत, अखिलेश श्रीवास्तव बुद्धि प्रकाश तिवारी, बख्तियार आलम, गोरख सोनकर, दानिश इकबाल, तबरेज नियाजी, राजेश गुप्ता। राहुल, रोहित चौबे आदि पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में अब भाजपा की बुलंद आवाज, मनोज पाटिल ने संभाला अपोज़िशन पार्टी लीडर का पद

वसई। वसई-विरार शहर की राजनीति में एक अहम बदलाव देखने को मिला है। भारतीय जनता पार्टी के अनुभवी नेता मनोज पाटिल ने आखिरकार भारतीय जनता पार्टी की ओर से वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में अपोज़िशन पार्टी लीडर का पद संभाल लिया है। उनके नियुक्त होते ही पार्टी कार्यकताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई है।

26 फरवरी को म्युनिसिपल हेडक्वार्टर में उनके कार्यालय (हॉल) का उद्घाटन विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर वसई विधानसभा क्षेत्र की विधायक स्नेहाताई दुबे-पंडित और नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजन नाइक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों के हाथों पूजा सम्पन्न होने के बाद मनोज पाटिल ने

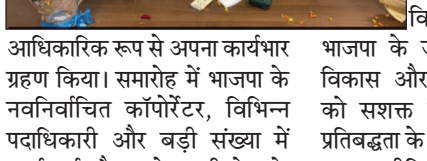

आधिकारिक रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया। समारोह में भाजपा के नवनिर्वाचित कॉर्पोरेटर, विभिन्न पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। सभी ने बुके देकर मनोज पाटिल को शुभकामनाएँ दीं और उनके नेतृत्व में मजबूत विपक्ष की उम्मीद जताई। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी कार्यालय पहुंचकर उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर विधायक राजन नाइक ने भाजपा की आगामी रणनीति पर प्रकाश डाला। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की ओर से वसई-विरार क्षेत्र में चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा के जनप्रतिनिधि शहर के विकास और बुनियादी सुविधाओं को सशक्त बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

राजनीतिक विश्लेषकों और सामाजिक कार्यकताओं का मानना है कि मनोज पाटिल के सक्रिय और मेहनती नेतृत्व से निगम में विपक्ष की भूमिका अधिक प्रभावी होगी तथा जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा।

पीयू में मतदाता जागरूकता की अलख, कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में ईएलसी समीक्षा कार्यक्रम, शत-प्रतिशत मतदान का आह्वान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में शुक्रवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) की समीक्षा कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी राजकीय, अशासकीय एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में मतदाता साक्षरता क्लब को सक्रिय किए जाने तथा पात्र छात्र-छात्राओं को मतदाता के रूप में पंजीकृत कराने के निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने सभी प्राचार्यों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक महाविद्यालय में निर्वाचन साक्षरता क्लब का गठन कर उसे निरंतर सक्रिय रखा जाए। उन्होंने कहा कि मतदान और मतदाता लोकतंत्र की रीढ़ हैं तथा लोकतंत्र की सशक्तता के लिए सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना आवश्यक है। आगामी चुनावों में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। मुख्य वक्ता एवं जिला स्वीप कोऑर्डिनेटर सै. मो. मुस्तफा ने निर्वाचन साक्षरता क्लब की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि ईएलसी का उद्देश्य युवा छात्र-छात्राओं को उनके चुनावी अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा पंजीकरण और मतदान की प्रक्रिया से परिचित कराना है। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक कक्षा में कैंपस एंबेसडर की नियुक्ति की जाए तथा प्रत्येक कॉलेज से एक स्वीप नोडल अधिकारी एवं एक-एक बालक व बालिका कैंपस एंबेसडर नामित कर उनकी सूची विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यह भी बताया कि जो छात्र-छात्राएं 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं, वे प्रारूप-6 के माध्यम से अपना नाम निर्वाचक नामावली में जुड़वा सकते हैं। आवेदन संबंधित बीएलओ को प्रस्तुत किया जा सकता है अथवा एउक्छएळ ऐप डाउनलोड कर ऑनलाइन आवेदन भी किया जा सकता है। सभी महाविद्यालयों में मतदाता हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए। विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. दीपक कुमार मौर्य ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अंत में कुलपति ने उपस्थित सभी लोगों को मतदाता शपथ दिलाई। मंच संचालन उत्कर्ष त्रिपाठी एवं श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी लाल बहादुर, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. रसिकेश सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

नीलेश चौधरी ने स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन पद के लिए किया नामांकन

वसई रोड। वसई विरार महानगर पालिका में भारतीय जनता पार्टी के नेता नीलेश चौधरी ने स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। यह नामांकन केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि पार्टी की विचारधारा और विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक माना जा रहा है। नामांकन के दौरान पार्टी के कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपोज़िशन लीडर मनोज पाटिल, ग्रुप लीडर अशोक शेलके, भाजपा जनरल सेक्रेटरी मनोज बारोट, स्टैंडिंग कमेटी सदस्य जितेंद्र पाटिल, अभय कक्कड़ तथा युवा मोर्चा अध्यक्ष विनीत तिवारी समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी कार्यकताओं में इस अवसर पर उत्साह का माहौल देखने को मिला। भाजपा नेताओं ने विश्वास जताया कि नेतृत्व के अनुभव और विकासोन्मुख दृष्टिकोण के साथ स्टैंडिंग कमेटी में प्रभावी निर्णय लिए जाएंगे, जिससे क्षेत्र के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। बलरामपुर में आरटीओ कार्यालय के बाहर फर्जी एजेंट सक्रिय, 13 हजार की ठगी का मुकदमा दर्ज, जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में 13,000 रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत पाटन बसनपुर, तुलसीपुर निवासी कैलाश ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उन्होंने एक कुटकुट रिक्शा का विक्रय किया था। वाहन ट्रांसफर कराने के लिए वह आरटीओ कार्यालय गए, जहां कार्यालय के सामने मौजूद एक तथाकथित एजेंट ने ट्रांसफर की पूरी प्रक्रिया कराने का भरोसा दिलाया और इसके एवज में 13,000 रुपये ले लिए। पीड़ित का आरोप है कि रुपये लेने के बावजूद न तो वाहन का ट्रांसफर कराया गया और न ही धनराशि वापस की गई। कई बार संपर्क करने पर केवल आश्वासन मिलता रहा। अंततः स्वयं को ठगा महसूस कर पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। बताया जा रहा है कि आरटीओ कार्यालय के आसपास इस तरह के कई एजेंट सक्रिय रहते हैं, जिनके झांसे में आकर आम लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं। इससे पहले भी ऐसे मामलों की शिकायतें सामने आ चुकी हैं। थाना कोतवाली देहात में 26 फरवरी 2026 को एफआईआर संख्या 0053 दर्ज की गई है। मामले की जांच उप निरीक्षक वीरेंद्र प्रसाद पाल को सौंपी गई है।

स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आरटीओ कार्यालय के आसपास सक्रिय फर्जी एजेंटों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को ठगी से बचाया जा सके।